TarunMitra TarunMitra TarunMitra
www.youtube.com/@TarunmitraGroup

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

भोपाल
वर्ष: 6 अंक 228
गुरूवार 08 अक्टूबर, 2026

तापमान
अधिकतम 31°C | न्यूनतम 22°C

मूल्य 2 रुपए | पृष्ठ-8 | मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र से प्रकाशित | www.tarunmitra.in

भारत विकसित होने तक न रुकूंगा, न थकूंगा : मोदी

25 साल की सेवा पर बोले प्रधानमंत्री, 140 करोड़ देशवासी बनाएंगे विकसित भारत

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। सरकार के मुखिया के रूप में लगातार 25 वर्ष पूरे करने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अपने राजनीतिक सफर को व्यक्तिगत उपलब्धि के बजाय जनविश्वास, राष्ट्रसेवा और सामूहिक संकल्प की यात्रा के रूप में पेश किया। 'विकसित भारत संकल्प सभा' में उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि जब तक भारत विकसित नहीं होता, वह न रुकेंगे, न थकेंगे और न अपने पथ से डिगेंगे। प्रधानमंत्री ने देश के सामने छोटे नहीं, बल्कि असाधारण लक्ष्य रखने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत के सामने समस्याएं भले ही बड़ी हों, लेकिन उनके समाधान के लिए 140 करोड़ देशवासी मौजूद हैं।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित सभा में मोदी ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई यात्रा आज 25 वर्ष के पड़ाव तक पहुंची है। उन्होंने इस लंबे सफर का श्रेय जनता के निरंतर विश्वास, कार्यकर्ताओं के परिश्रम और लोकतांत्रिक व्यवस्था को दिया।

संकल्प

- 2047 तक भारत को दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में पहुंचाने का संकल्प
- आत्मनिर्भर भारत, गरीबी उन्मूलन, मैन्युफैक्चरिंग और वैश्विक नेतृत्व पर जोर
- कहा-देश ने बहुत दिया, इसलिए हर नागरिक का मुझ पर सबसे बड़ा हक

उन्होंने कहा कि 25 वर्षों का जनविश्वास और अनुभव उनकी बड़ी पूंजी है, लेकिन यह केवल उनकी नहीं, बल्कि पूरे देश की पूंजी है। भावुक नजर आए प्रधानमंत्री ने कहा, 'देश ने मुझे बहुत कुछ दिया है, इसलिए देश के लिए मेरा दायित्व भी सबसे अधिक है।' उन्होंने यह भी कहा कि देश के हर नागरिक का उन पर सबसे बड़ा हक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके 25 वर्षों का मूल्यांकन इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि वह खुद कहां पहुंचे, बल्कि इस आधार पर होना चाहिए कि देश कहां पहुंचा। उन्होंने अपने लिए 'एम्बिशन नहीं, मिशन' को जीवन का आधार बताते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी मिली, उसे पूरी निष्ठा से निभाते गए। उनके लिए कर्म केवल दायित्व नहीं, बल्कि देश के प्रति साधना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फल और श्रेय की चिंता किए बिना लगातार कर्म करते रहना ही उनका संकल्प रहा है। 2047 के भारत का खाका सामने रखते हुए मोदी ने दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने, आत्मनिर्भर बनने, गरीबी से मुक्त होने और मैन्युफैक्चरिंग का वैश्विक केंद्र बनने का लक्ष्य रखा। उन्होंने कहा कि भारत को शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, तकनीक, नवाचार, अंतरिक्ष और मनोरंजन सहित हर क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने गणेश मंदिर में पूजा कर लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को राजधानी के सरोजिनी नगर स्थित श्री विनायक मंदिर में पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया। बुधवार को ही सरकार के प्रमुख के रूप में उनके 25 वर्ष पूरे हुए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने देशवासियों की सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की तथा पूरी निष्ठा के साथ देशसेवा जारी रखने का संकल्प दोहराया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मंदिर में पूजा की जानकारी साझा करते हुए कहा कि उन्होंने भगवान श्री गणेश से देशभर के लोगों की सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

महंगाई पर आरबीआई का ब्याज वार, रेपो रेट 5.50%

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। महंगाई के बढ़ते दबाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों पर सख्त रुख अपनाया है। आरबीआई ने बुधवार को रेपो रेट में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी कर इसे 5.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया। फरवरी 2023 के बाद यह पहली बार है, जब केंद्रीय बैंक ने रेपो दर में इजाफा किया है। इस फैसले का सीधा असर आने वाले दिनों में कर्ज की लागत और आम लोगों की ईएमआई पर पड़ सकता है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में हुई छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद यह फैसला सामने आया।

केंद्रीय बैंक ने वैश्विक स्तर पर बढ़ती महंगाई की आशंका, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और पश्चिम एशिया में जारी तनाव को देखते हुए मौद्रिक नीति को और सख्त करने का फैसला किया है। रेपो रेट वह दर है जिस पर आरबीआई बैंकों को अल्पावधि के लिए कर्ज देता है।

- कच्चे तेल की तपिश के बीच मौद्रिक नीति सख्त
- 25 आधार अंक बढ़ी दर, फरवरी 2023 के बाद पहली बढ़ोतरी
- होम, कार और पर्सनल लोन की ईएमआई पर बढ़ सकता है बोझ

इसके बढ़ने से बैंकों के लिए धन की लागत बढ़ती है और इसका असर आगे चलकर ग्राहकों को दिए जाने वाले ऋण पर पड़ सकता है।

खासकर फ्लोटिंग रेट वाले होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ब्याज दरें बढ़ सकती हैं। ऐसे में नई और मौजूदा ऋण लेने वालों पर ईएमआई का अतिरिक्त बोझ पड़ने की आशंका है।

संक्षिप्त समाचार

सीईसी नियुक्ति कानून पर सुप्रीम कोर्ट फिर करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति से जुड़े संशोधित कानून पर आए हालिया विभाजित फैसले पर पुनर्विचार की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने को सहमत हो गया है। वकील गोपाल शंकरनारायणन ने बुधवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामले को मेंशन किया और दो न्यायाधीशों के विभाजित फैसले को वापस लेने की मांग की।

इस पर पीठ ने कहा, 'हम देखेंगे।' 23 सितंबर को जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने इस मामले पर अलग-अलग राय दी थी।

पीएम मोदी और सेना प्रमुख से मिले बांग्लादेश के उच्चायुक्त

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। भारत-बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंधों को फिर से मजबूत करने की कोशिशों के बीच बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक त्रिवेदी सोमवार को अचानक नई दिल्ली पहुंचे और मंगलवार दोपहर करीब एक बजे प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने सेना प्रमुख से भी बातचीत की। भारतीय सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि सेना प्रमुख और बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त के बीच हुई बातचीत में दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग और रक्षा संबंधों को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब भारत और बांग्लादेश 2024 में सत्ता परिवर्तन के बाद प्रभावित हुए संबंधों को फिर से सामान्य करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच राजनयिक संपर्क बढ़े हैं।

प्रदर्शनकारी छात्र असामाजिक तत्व नहीं, विरोध का अधिकार : हाईकोर्ट

मुंबई, 07 अक्टूबर। महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में मुंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को अहम टिप्पणी की। मुख्य न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने कहा कि प्रदर्शनकारी छात्र असामाजिक तत्व नहीं हैं और उन्हें अपनी शिकायतों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का अधिकार है।

पुणे के निवासियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि सरकार को यह भरोसा दिलाना होगा कि एमपीएससी परीक्षाएं निष्पक्ष, पारदर्शी और बिना किसी गड़बड़ी के आयोजित हों। अदालत ने कहा कि छात्रों ने परीक्षा की तैयारी में घंटों मेहनत की है। यदि उन्हें लगता है कि प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई है और उनकी बात नहीं सुनी जा रही, तो उन्हें विरोध करने का अधिकार है। राज्य सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल मिलिंद साठे ने बताया कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है और उनकी ज्यादातर मांगें मान ली गई हैं।

अफ्रीका के साथ भारत का रिश्ता अब पीढ़ियों की साझेदारी : जयशंकर

अकरा, 07 अक्टूबर। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत-अफ्रीका संबंधों को नई वैश्विक व्यवस्था की अहम धुरी बताते हुए कहा कि भारत अफ्रीका को अपने दिल में बसाए हुए है और दोनों पक्ष ऐसी साझेदारी का निर्माण करेंगे, जो केवल आज की जरूरतों तक सीमित न होकर आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी आकार दे। घाना के फॉरेन सर्विस इंस्टीट्यूट में 'अफ्रीका और ग्लोबल साउथ' विषय पर आयोजित विशेष सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच सहयोग, रणनीतिक स्वायत्तता और विकास को प्राथमिकता देने की जरूरत बताई। जयशंकर ने कहा कि मौजूदा उथल-पुथल भरे दौर में कूटनीति के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि देशों के बीच प्रतिस्पर्धा को टकराव में बदलने से कैसे रोका जाए और हित अलग होने के बावजूद सहयोग के रास्ते कैसे खुले रखे जाएं।

उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति इसी व्यापक सोच के साथ आगे बढ़ रही है।

एफआईआर को राहुल ने बताया मेडल, बोले लड़ाई जारी रहेगी

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। आकाशवाणी भवन परिसर में कथित तौर पर जबरन प्रवेश करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और 'इंडिया' ब्लॉक के अन्य सांसदों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी सांसदों ने चुनाव आयोग की ओर मार्च किया था। पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद प्रदर्शनकारी बैरिकेड के पास बैठ गए थे। बाद में कुछ नेताओं ने बैरिकेड पार कर आकाशवाणी भवन परिसर में प्रवेश किया।

पुलिस के मुताबिक, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य प्रदर्शनकारियों को परिसर से बाहर जाने की चेतावनी दी गई थी। प्रदर्शन जारी रखने से इनकार करने पर कुछ नेताओं को हिरासत में लिया गया, जिन्हें कुछ घंटे बाद रिहा कर दिया गया। इसके बाद परिसर में कथित जबरन प्रवेश को लेकर शिकायत दर्ज कर एफआईआर की गई।

प्रतिक्रिया

- आकाशवाणी भवन में प्रवेश पर राहुल-प्रियंका समेत विपक्षी सांसदों पर एफआईआर दर्ज
- नेता प्रतिपक्ष बोले-सीईसी ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही होगा

एफआईआर पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि उनके खिलाफ पहले से करीब 45 एफआईआर हैं और वह 100 एफआईआर का आंकड़ा देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हर एफआईआर मेरे लिए एक मेडल की तरह है।'

राहुल ने स्पष्ट किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर उनका विरोध जारी रहेगा। राहुल गांधी ने दावा किया कि करीब 300 लोकसभा और राज्यसभा सांसद मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलना चाहते थे, लेकिन उन्हें अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक के सांसद अब जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे और देश को बताएंगे कि उनके अनुसार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली लोकतंत्र के लिए नुकसानदेह है।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की कार्रवाई के पीछे केंद्र सरकार है और कहा कि 'ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही होगा।' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी विरोध जारी रखने की बात कही। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की गतिविधियां लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही हैं।

ज्ञानेश कुमार से सवाल, भाजपा क्यों कर रही वकालत : रंजीत

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग को लेकर विपक्ष के आरोपों को दोहराते हुए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष चुनाव आयोग से सवाल पूछ रहा है, लेकिन जवाब देने के बजाय भाजपा नेता आयोग का पक्ष रख रहे हैं। रंजीत ने सवाल किया कि अगर चुनाव आयोग स्वतंत्र है तो उसके प्रमुख खुद सामने आकर विपक्ष के सवालों का जवाब क्यों नहीं दे रहे। रंजीत रंजन ने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष करीब दो वर्षों से चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष, सेवा-सुशासन और गरीब कल्याण को रहे समर्पित : मोहन यादव

भोपाल, 07 अक्टूबर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्र निर्माण के संकल्प की अविराम यात्रा 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई।

प्रधानमंत्री मोदी की जनसेवा की यात्रा आज 25 वर्षों के गौरवपूर्ण पड़ाव पर पहुंच रही है। यह यात्रा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प को साकार करने की निरंतर साधना रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की प्रगति के लिए अपने जीवन का प्रत्येक क्षण राष्ट्र की सेवा में समर्पित करने का देशवासियों से आह्वान किया है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को उज्जैन में सेवा ज्योति कलश यात्रा को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर देशभर के लाखों नागरिक सेवा संकल्प ज्योति यात्रा में सम्मिलित हो रहे हैं।

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में सेवा ज्योति कलश यात्रा को किया संबोधित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रा में सम्मिलित लोगों को 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने का संकल्प दिलवाया। मध्यप्रदेश, प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में विकास और जनकल्याण के पथ पर निरंतर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर तैयार हो चुका है।

सागर : वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह का समापन

सागर, 07 अक्टूबर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में सागर स्थित वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में आयोजित 'वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह' का बुधवार को गरिमामय समापन समारोह संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में पर्यटन और वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से टाइगर रिजर्व में चीते छोड़े।

कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सागर जिले के मुहली हेलीपैड पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्थानीय जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और भाजपा संगठन के पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया।

समापन समारोह के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य में वन्यजीवों के संरक्षण एवं जन-जागरूकता से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रकाशनों का विमोचन किया। इनमें शामिल हैं बुंदेली भाषा में लिखी गई पुस्तिका के माध्यम से स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों को टाइगर रिजर्व की समृद्ध जैव विविधता और इतिहास को आसान भाषा में समझने का अवसर मिलेगा।

इस भव्य कार्यक्रम में शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी, जिले के समस्त विधायक, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

राजपाल यादव को पैतृक संपत्ति बेचने की सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने चेक बाउंस मामले में बकाया रकम चुकाने के लिए अभिनेता राजपाल यादव को पैतृक संपत्ति बेचने की अनुमति दे दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने बुधवार को उनके दो करोड़ रुपये के तत्काल भुगतान की व्यवस्था पर गौर किया। इसमें 1.15 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट दिया जाएगा, जबकि शेष 85 लाख रुपये संपत्ति खरीदने का इच्छुक व्यक्ति 12 अक्टूबर तक चुकाएगा। इससे पहले पांच अक्टूबर को कोर्ट ने यादव को छह अक्टूबर तक शिकायतकर्ता को भुगतान करने का निर्देश दिया था और उनके रवैये पर नाराजगी जताई थी।

15 सितंबर को कोर्ट ने पांच करोड़ रुपये जमा करने के लिए अंतिम समयसीमा पांच अक्टूबर तय की थी।

99.6 फीसदी नेटवर्क विद्युतीकृत के बावजूद आपातकाल में डीजल की जरूरत

बिजली से दौड़ रही रेल, फिर भी संकट में डीजल ही सहारा

सुभाष पाण्डेय

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। भारतीय रेल की तस्वीर पिछले एक दशक में इतनी तेजी से बदली है कि कभी डीजल के धुएं से पहचानी जाने वाली रेल अब लगभग पूरी तरह बिजली की ताकत पर दौड़ रही है। मार्च 2026 तक रेलवे के कुल 70,142 रूट किलोमीटर में से करीब 69,873 किलोमीटर पर विद्युतीकरण हो चुका था। यानी 99.6 फीसदी नेटवर्क बिजली के दायरे में आ चुका है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक ऐसा सच भी है, जो डीजल इंजन को अभी रेलवे से विदा नहीं होने देता।

क्योंकि रेल की रफ्तार सिर्फ पटरी पर नहीं, बिजली की लगातार उपलब्धता पर भी टिकी है। सोचिए, हजारों किलोमीटर का नेटवर्क इलेक्ट्रिक हो चुका है और किसी हिस्से में अचानक ओवरहेड तार टूट जाए, बिजली आपूर्ति ठप हो जाए या प्राकृतिक आपदा से लाइन प्रभावित हो जाए। इलेक्ट्रिक इंजन वहीं निर्भर हो जाएगा जहां बिजली मिलेगी। ऐसे संकट में डीजल इंजन रेलवे के लिए वैकल्पिक ताकत बन जाता है। यही वजह है कि रेलवे डीजल इंजन को पूरी तरह कबाड़ घोषित करने के बजाय रणनीतिक बैकअप के तौर पर बनाए हुए है। यह बदलाव अचानक नहीं आया।

विकल्प

- शंटिंग से आपदा तक, रेलवे के लिए डीजल अब बैकअप
- तार टूटा, ग्रिड बैठा तो इलेक्ट्रिक ट्रेनें थमेंगी, डीजल संभालेगा मोर्चा
- 2024-25 में 180 करोड़ लीटर डीजल बचाया, लेकिन जरूरत पड़ने पर विकल्प अभी जरूरी

2009-10 में सिर्फ 18,927 रूट किलोमीटर इलेक्ट्रिफाइड था। मार्च 2014 तक यह आंकड़ा 21,614 किलोमीटर पहुंचा। इसके बाद विद्युतीकरण की रफ्तार कई गुना बढ़ी और 2026 तक नेटवर्क करीब 70 हजार किलोमीटर के स्तर पर पहुंच गया।

2019-25 के बीच रेलवे ने प्रतिदिन 15 किलोमीटर से ज्यादा ट्रैक इलेक्ट्रिफाइड किया, जबकि 2004-14 के दौरान यह रफ्तार करीब 1.42 किलोमीटर प्रतिदिन थी। इसका सीधा असर डीजल की खपत पर पड़ा। 2024-25 में विद्युतीकरण के चलते करीब 180 करोड़ लीटर डीजल की बचत हुई। रेलवे के मुताबिक इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन डीजल की तुलना में करीब 70 फीसदी ज्यादा किफायती है और इससे लगभग 6,000 करोड़ रुपये की बचत हुई।

टंकी बनी मौत का कुआं, जहरीली गैस से चार बच्चों की मौत

मथुरा / वृंदावन, 07 अक्टूबर। वृंदावन के चैतन्य विहार क्षेत्र स्थित एक निजी गुरुकुल में बुधवार को दर्दनाक हादसे में चार नाबालिग छात्रों की मौत हो गई। सभी की जान अंडरग्राउंड पानी की टंकी की सफाई के दौरान दम घुटने से गई। हादसे में एक छात्र किसी तरह टंकी से बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने चार बच्चों की मौत की पुष्टि की है।

जानकारी के अनुसार, आशीष शर्मा द्वारा संचालित 'वृंदावन गुरुकुलम' में करीब 200 बच्चे पंजीकृत हैं, जबकि वर्तमान में लगभग 100 बच्चे परिसर में रह रहे थे। शाम के समय गुरुकुल परिसर में बनी भूमिगत पानी की टंकी से तेज दुर्गंध आने के बाद पांच छात्रों ने उसकी सफाई करने का प्रयास किया। पांचों बच्चे टंकी के भीतर उतर गए।आशंका है कि टंकी के अंदर जहरीली गैस बनी हुई थी। गैस के संपर्क में आने के बाद सभी छात्र बेहोश हो गए।

इनमें चार बच्चों की मौत हो गई, जबकि एक छात्र किसी तरह बाहर निकल आया। मृतक सभी बच्चे दूसरे राज्यों के बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद गुरुकुल की सुरक्षा व्यवस्था और प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आखिर बच्चों को बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के भूमिगत पानी की टंकी में उतरने की अनुमति कैसे दी गई, यह जांच का प्रमुख बिंदु होगा। जिलाधिकारी ने बताया कि गुरुकुल के संचालन और उसकी मान्यता की भी जांच की जाएगी।

सेवा ज्योति कलश यात्रा से गूंजा विकसित भारत का संकल्प

बदलते दौर का मध्य प्रदेश पुस्तिका से अनूपपुर जिले की विकास गाथा से रूबरू हुए नागरिक, 40 मेधावी विद्यार्थियों को वितरित की स्कूटी

अनूपपुर। जिला मुख्यालय अनूपपुर स्थित उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में बुधवार को सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन के अवसर पर सेवा ज्योति कलश कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें मध्य प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल तथा अनूपपुर विधायक बिसाहूलाल सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

शुभारंभ राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से हुआ। इसके पश्चात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के वर्चुअल संबोधन का प्रसारण किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को देखा और सुना। कार्यक्रम के दौरान संदीप शिवहरे की टीम ने देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की मनमोहक प्रस्तुति दी। देशभक्ति से परिपूर्ण प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमुदाय में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया। राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने उपस्थित नागरिकों को विकसित भारत-2047 के निर्माण का सामूहिक संकल्प दिलाया। इसके पश्चात राज्य मंत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के लिए निकलने वाली सेवा ज्योति कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सेवा ज्योति प्रज्ज्वलित होने के बाद जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से आए नागरिक अपनी-अपनी सेवा ज्योति के साथ संबंधित क्षेत्रों के लिए रवाना हुए। यात्रा में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में नागरिक सहभागिता करेंगे। यात्रा में सबसे आगे रथ रहेगा, जिसके पीछे एक नागरिक प्रज्ज्वलित मशाल लेकर चलेगा। यह यात्रा सेवा, संकल्प और विकसित भारत के निर्माण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएगी।

कार्यक्रम में अपर कलेक्टर बलबीर रमन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर प्राशी अग्रवाल, भजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम सहित विभिन्न जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा जिलेभर से आए बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल तथा अनूपपुर विधायक बिसाहूलाल सिंह ने विकसित भारत संकल्प सभा कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्यमंत्री स्कूटी वितरण योजना के तहत 40 मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी वितरित कर सम्मानित किया तथा विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

आयोजित कार्यक्रम के दौरान जनसंपर्क विभाग द्वारा बदलते दौर का मध्य प्रदेश के अंतर्गत अनूपपुर जिले की विकास यात्रा एवं उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिका का वितरण किया गया। पुस्तिका का वितरण जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों को किया गया।

पुस्तिका के माध्यम से अनूपपुर जिले में विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों, उपलब्धियों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई गई। इस दौरान नागरिकों को जिले की विकास गाथा से अवगत कराया गया तथा विकास कार्यों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं। जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित इस पुस्तिका के माध्यम से जिले के विकास की दिशा में किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों एवं विभिन्न उपलब्धियों को संक्षिप्त एवं सहज रूप में नागरिकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उपस्थित नागरिकों ने पुस्तिका में प्रकाशित विकास संबंधी जानकारी में रुचि दिखाई।

खड़े ट्रक के पीछे घुसा बाइक सवार, इलाज के दौरान मौत

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के चचाई थाना क्षेत्र अंतर्गत विवेकनगर मुख्य मार्ग चचाई बंद माइंस के पास बुधवार की सुबह काम से वापसी कर रहे युवक बाइक सहित सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे जा घुसा, जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान युवक की सांसे उखड़ गई।

मृतक की पहचान विवेकनगर निवासी 22 वर्षीय विवेक राज क्षत्रिय,पुत्र स्वर्गीय जीत राज क्षत्रिय, निवासी विवेकनगर वार्ड क्रमांक 5 जिसका घर घटना स्थल से मात्र 2 से ढाई किलोमीटर दूर था। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर परिजनों को सूचना दी। परिजन पीएम के लिए अस्पताल भी पहुंचे, जहां पीएम उपरांत परिजन शव नहीं ले जा सके। बताया जाता है कि मृतक के घर पिता नहीं है, उनका निधन लगभग पांच वर्ष पूर्व हो गया है, छोटा भाई नाबालिग है और परिवार में बड़ी बहन है, जो इटारसी में रहती हैं। उनके आने के बाद शव को मचुर्री से ले जाने और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी किए जाने की बात बताई गई है। बताया जा रहा हैं कि घटना स्थल के पास खड़ा ट्रक पूर्व ही किसी दुर्घटना में क्षतिग्रस्त होकर खराब हालत में सड़क किनारे खड़ा था, संभावना है कि युवक सामने से किसी तेज रफ्तार की वाहन से बचाव या खुद के तेज रफ्तार की बाइक पर नियंत्रण नहीं रख पाने के कारण ट्रक के पीछे सीधे जा घुसा। वाहक घटना में ट्रक में फंसा रह गया। घायल को सुबह 6.16 बजे जिला अस्पताल लाया गया था, जहां गंभीर होने के कारण इलाज के दौरान मात्र डेढ़ घंटे बाद लगभग 7.45 बजे मौत हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुरक्षा संस्थान के करीब युवक के पाकिस्तानी होने की खबर से हड़कंप

पुलिस जांच में निकला यूपी निवासी विक्षिप्त

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित वाहन निमार्णी सुरक्षा संस्थान क्षेत्र के पास शोभापुर में बुधवार सुबह एक युवक के खुद को पाकिस्तानी बताने की खबर से क्षेत्र में हडकंप मच गया। स्थानीय लोगों में घुसपैठिए की आशंका को लेकर दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही रांझी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और युवक को अपने कब्जे में लेकर पूछताछ शुरू की।

पुलिस पूछताछ में युवक ने प्रथम दृष्टया अपना नाम शिवम पाठक और खुद को उत्तरप्रदेश के गौसगंज का निवासी बताया। उसने पुलिस को अपने परिजनों का मोबाइल नंबर भी उपलब्ध कराया। पुलिस ने दिए गए नंबर पर संपर्क कर युवक के संबंध में जानकारी जुटाई तो उसके उत्तरप्रदेश का निवासी होने की पुष्टि हुई। पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया कि युवक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और वह पहले भी घर से निकल चुका है। पुलिस के अनुसार, परिजन पूर्व में उसे राजस्थान से वापस लेकर आए थे। अब दोबारा उसके घर से निकल जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने उसके परिजनों से संपर्क कर लिया है और वे उसे लेने के लिए जबलपुर आ रहे हैं।

बताया जा रहा है कि युवक के हुलिए और बातचीत के तरीके को देखकर स्थानीय लोगों को उस पर संदेह हुआ। इसके बाद उसके पाकिस्तानी होने की बात क्षेत्र में तेजी से फैल गई। कुछ लोगों ने उसके हुलिए को घुसपैठिए जैसा बताते हुए पुलिस को सूचना दी थी।

हालांकि, पुलिस की अब तक की जांच में युवक के पाकिस्तानी नागरिक होने की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस उसके द्वारा बताए गए नाम-पते और अन्य जानकारियों का सत्यापन कर रही है। रांझी पुलिस का कहना है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए युवक के संबंध में उपलब्ध रिकॉर्ड और दस्तावेजों की बारीकी से जांच की जा रही है। पुलिस पोर्टल सहित अन्य रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं, ताकि उसकी पहचान और पृष्ठभूमि पूरी तरह स्पष्ट हो सके।

फिलहाल पुलिस की प्राथमिक जांच में युवक उत्तरप्रदेश का निवासी और मानसिक रूप से अस्वस्थ पाया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद युवक को उनके सुपुर्द किए जाने की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल जा रहे छात्र को ट्रक ने कुचला

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के रामनगर थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह सड़क हादसे में 12वीं के छात्र 18 वर्षीय ललित केवट की मौत हो गई। वह दो दोस्तों के साथ बाइक से मलगा हायर सेकेंडरी स्कूल जा रहा था। आमाडांड रोड पर बाइक पिकअप से टकराने के बाद ललित ट्रेलर की चपेट में आ गया।

पुलिस के अनुसार, हर्री गांव का ललित अपने दो साथियों के साथ स्कूल जा रहा था। उनकी बाइक एक पिकअप के पीछे चल रही थी। बाइक चालक ने तेज रफ्तार में पिकअप को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान सामने से ट्रेलर आ गया। पिकअप चालक ने अचानक ब्रेक लगाए। पीछे से आ रही बाइक अनियंत्रित होकर पिकअप से टकरा गई। ललित ट्रेलर की तरफ गिर गया और उसके पहिए के नीचे आ गया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसके दोनों साथी सुरक्षित हैं। हादसे के बाद ग्रामीणों ने आमाडांड रोड पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। सूचना मिलते ही रामनगर और बिजुरी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाया, जिसके बाद करीब एक घंटे में रास्ता खुल सका। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिवार को सौंप दिया है।

अमरकंटक में अचानक बदला मौसम, आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक में बुधवार दोपहर मौसम ने अचानक करवट बदली। तेज हवाओं और आंधी-तूफान के साथ बादलों की गर्जना और बिजली की चमक के बीच करीब एक घंटे तक मूसलाधार बारिश हुई। तेज बारिश से अमरकंटक की सड़कें और खुले क्षेत्र पानी से भर गए। बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और वातावरण में ठंडक घुल गई। फिलहाल रुक-रुककर वर्षा का दौर जारी है।

जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह से दोपहर करीब दो बजे तक अमरकंटक में मौसम साफ रहा और तेज धूप खिली थी। इसके बाद अचानक आसमान में काले घने बादल छाने लगे। कुछ ही देर में पूरे क्षेत्र में अंधेरा छा गया और तेज हवाएं चलने लगीं। बादलों की गर्जना तथा बिजली की चमक के साथ मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। दोपहर करीब 2:45 बजे तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान शुरू हुआ और इसके बाद मूसलाधार बारिश होने लगी। करीब एक घंटे तक हुई तेज बारिश ने पूरे अमरकंटक को तरबतर कर दिया। बारिश की तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कई स्थानों पर सड़कें पानी से भर गईं और खुले क्षेत्रों में भी जलभराव की स्थिति बन गई।

अचानक हुई तेज बारिश के कारण अमरकंटक पहुंचे पर्यटकों, तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश से बचने के लिए लोग सुरक्षित स्थानों की ओर जाते दिखाई दिए। बाजार और प्रमुख धार्मिक स्थलों के आसपास भी लोगों को बारिश थमने तक काफी देर रुकना पड़ा। लगातार करीब एक घंटे हुई बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई और वातावरण में ठंडक बढ़ गई। बारिश थमने के बाद अमरकंटक का मौसम सुहावना हो गया। आसपास के क्षेत्रों में हरियाली और नमी दिखाई देने लगी।

बताया गया है कि अमरकंटक में पिछले करीब एक सप्ताह से बारिश नहीं हुई थी। पितृपक्ष के समापन के आसपास हुई इस तेज बारिश से एक बार फिर मौसम में बदलाव देखने को मिला है। देर तक रुक-रुककर बारिश होने से क्षेत्र का मौसम ठंडा और खुशनुमा बना हुआ है।

रेलवे स्टेशन पर महिला के थैले से 5 .342 किलो गांजा बरामद

जबलपुर। त्योहारों के मद्देनजर मध्य प्रदेश के जबलपुर रेलवे स्टेशन पर चल रही सघन जांच के दौरान जीआरपी ने बुधवार को एक महिला को गांजे के साथ गिरफ्तार किया। महिला के पास से कपड़े के थैले में रखे पांच पैकेटों में कुल 5 किलो 342 ग्राम गांजा बरामद हुआ। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत 1 लाख 33 हजार 550 रुपये बताई गई है। पुलिस ने महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जीआरपी के अनुसार रेलवे स्टेशन जबलपुर के प्लेटफॉर्म क्रमांक 2-3 के इटारसी एंड पर बुधवार को पुलिस टीम नियमित रूप से यात्रियों और संदिग्ध वस्तुओं की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक महिला की गतिविधियां पुलिस को संदिग्ध लगीं। टीम ने उसे रोककर पूछताछ की। महिला ने अपना नाम बैदेही बाई बताया। वह जिला रायसेन की निवासी है और मूल रूप से ओडिशा की रहने वाली बताई गई है। पुलिस ने महिला के पास मौजूद कपड़े के थैले की तलाशी ली। थैले के भीतर सफेद कपड़े में लिपटे पांच पैकेट मिले। संदेह के आधार पर पैकेटों को खोलकर जांच की गई तो उनमें गांजा बरामद हुआ। इसके बाद मादक पदार्थ का इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे से वजन कराया गया। सभी पैकेटों में गांजे की कुल मात्रा 5.342 किलोग्राम पाई गई। पुलिस ने गांजे को विधिवत जब्त कर लिया। जीआरपी ने महिला के खिलाफ थाना जीआरपी जबलपुर में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस अब महिला से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गांजा वह कहां से लेकर आई थी और उसे यह मादक पदार्थ किस व्यक्ति ने उपलब्ध कराया। इसके साथ ही पुलिस गांजा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और संभावित नेटवर्क की जानकारी भी जुटा रही है।

कॉलोनी में रात को घूमता दिखा भालू, बिजली सुधारने पहुंचे कर्मचारी काम छोड़कर वापस लौटे

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के जमुना-कोतमा क्षेत्र की जमुना कॉलोनी में जंगली भालू की आवाजाही से रहवासी दहशत में हैं। मंगलवार- बुधवार की रात कॉलोनी की गलियों में भालू के घूमने का वीडियो सामने आया है। वन्यजीव की मौजूदगी के डर से लोग सूरज ढलते ही घरों में रहने को मजबूर हैं। इससे पहले भी कॉलोनी में भालू देखा जा चुका है।

बताया गया कि रात कॉलोनी की बिजली व्यवस्था अचानक ठप हो गई थी। सूचना पर कॉलरी क्षेत्र के बिजली कर्मचारी फॉल्ट सुधारने पहुंचे। इसी दौरान उनकी नजर भालू पर पड़ गई। सुरक्षा को देखते हुए कर्मचारी काम छोड़कर वापस लौट गए। जिससे पूरी जमुना कॉलोनी में रातभर बिजली बहाल नहीं हो सकी। रहवासियों का कहना है कि बिजली बंद होने और भालू की मौजूदगी से परेशानी बढ़ गई है। लगातार भालू के मूवमेंट से किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है। लोगों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और भालू को सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर खदेड़ने की मांग की है। एचएमएस अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि रिहायशी क्षेत्र में भालू की मौजूदगी आम लोगों और रात में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए खतरा है। वन विभाग को गश्ती दल तैनात कर भालू की गतिविधियों पर निगरानी रखनी चाहिए। रहवासियों और स्थानीय प्रतिनिधियों ने वन विभाग और बिजली विभाग से समन्वय बनाकर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था करने की मांग की है। साथ ही कॉलोनी की बिजली व्यवस्था जल्द बहाल करने की मांग रखी है।

दूध लेने निकले युवक को घेरा, रुपये नहीं देने पर चाकुओं से हमला

जबलपुर। मध्?य प्रदेश के अधारताल थाना क्षेत्र की सुभाष नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में बुधवार को तीन युवकों ने दूध लेने जा रहे एक युवक को रास्ते में रोककर रुपयों की मांग की। पैसे देने से इनकार करने पर आरोपितों ने युवक के साथ मारपीट की और चाकुओं से हमला कर दिया। हमले में युवक के पैर, जांघ और कमर में गंभीर चोटें आई हैं। घायल को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात के बाद तीनों आरोपित फरार बताए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार शुभेन्दु गर्ग बुधवार को घर से मिश्रा डेयरी दूध लेने के लिए निकला था। वह कॉलोनी के गेट के पास पहुंचा ही था कि राजकुमार चौधरी, उदय पाण्डे और आकाश तिवारी ने उसका रास्ता रोक लिया। तीनों ने शुभेन्दु से रुपये मांगे। उसके रुपये देने से इनकार करने पर आरोपितों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। बताया गया है कि शुभेन्दु ने आरोपितों का विरोध करते हुए खुद को बचाने का प्रयास किया। इस पर तीनों ने उसे घेर लिया और चाकुओं से हमला कर दिया। हमले के दौरान चाकू लगने से उसके पैर, जांघ और कमर में गंभीर चोटें आईं। घायल शुभेन्दु कुछ ही देर में मौके पर गिर पड़ा। युवक पर चाकुओं से हमला किए जाने के बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। शोर सुनकर आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद घायल युवक को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत को देखते हुए भर्ती कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ कर वारदात के संबंध में जानकारी जुटाई।

भस्म आरती में गणेश स्वरूप में सजे बाबा महाकाल

भांग-चंदन और सिंदूर से हुआ श्रृंगार

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार तड़के भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल का आकर्षक गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया। भस्म अर्पण के बाद बाबा महाकाल ने भक्तों को साकार स्वरूप में दर्शन दिए। भांग, चंदन और सिंदूर से भगवान का श्रृंगार किया गया। इसके बाद रजत मुकुट, रजत मुंडमाला, रुद्राक्ष की माला और सुगंधित पुष्पों से बाबा का अलंकरण किया गया।

आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि पर तड़के मंदिर के कपाट खोले गए। सबसे पहले वीरभद्र जी को प्रणाम कर स्वस्ति वाचन किया गया। उनकी आज्ञा लेकर चांदी द्वार खोला गया। इसके बाद गर्भगृह के पट खुले और पुजारियों ने भगवान महाकाल का पूजन शुरू किया। भगवान का जलाभिषेक करने के बाद दूध, दही, घी, शहद, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। पंचामृत पूजन के बाद कपूर आरती की गई।

भस्म आरती से पहले प्रथम घंटाल बजाकर भगवान को हरिओम का जल अर्पित किया गया। मंत्रोच्चार के बीच भगवान महाकाल का ध्यान और पूजन किया गया। इसके बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर विधि-विधान से भस्म अर्पित की गई। महा निवार्णी अखाड़े की ओर से भी भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। भस्म अर्पण के बाद बाबा महाकाल का गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया। भांग, चंदन और सिंदूर से भगवान का स्वरूप सजाया गया। शेषनाग का रजत मुकुट, रजत मुंडमाला, रुद्राक्ष की माला और सुगंधित पुष्पों की मालाएं अर्पित की गईं। आभूषणों से बाबा का दिव्य अलंकरण किया गया।

भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बाबा महाकाल के दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने नंदी महाराज का पूजन किया और उनके कान के समीप अपनी मनोकामना कही। मंदिर परिसर बाबा महाकाल के जयकारों से गूंज उठा। मान्यता है कि भस्म अर्पण के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार स्वरूप में भक्तों को दर्शन देते हैं।

भागीरथपुरा हादसे में मृतकों के घर पहुंचे कांग्रेसी

आयोग की रिपोर्ट पर उठाए सवाल, इकलौता कमाने वाला खोया, परिवार आर्थिक संकट में

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर के भागीरथपुरा दूषित पानी हादसे की न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस ने एक बार फिर पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचकर सरकार पर सवाल उठाए हैं। बुधवार को इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से मुलाकात की। कांग्रेस नेताओं ने परिजनों को न्यायिक आयोग की रिपोर्ट में सामने आए निष्कर्षों और अनुशंसाओं की जानकारी दी।

रिपोर्ट की जानकारी मिलने के बाद मृतकों के परिजनों ने हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि परिवार के कई लोगों ने अपना इकलौता कमाने वाला सदस्य खो दिया है। इसके बावजूद उनकी समस्याओं का अपेक्षित समाधान नहीं हुआ। परिजनों ने महापौर, पार्षद, विधायक और नगर निगम आयुक्त समेत जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की भूमिका की जांच कर कार्रवाई की मांग उठाई।

पीड़ित परिवारों ने कांग्रेस नेताओं से कहा कि हादसे में कई परिवारों के कमाने वाले इकलौते सदस्य की मौत के बाद उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। परिजनों का आरोप है कि सरकार की ओर से बीमार लोगों के इलाज का खर्च उठाने की घोषणा की गई थी, लेकिन कुछ परिवारों को इलाज पर अपने स्तर से खर्च करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि मृतक का शव अस्पताल से घर लाने में भी उन्हें राशि खर्च करनी पड़ी। परिजनों ने सरकार से मुआवजा और राहत की प्रक्रिया जल्द पूरी करने की मांग की। उनका कहना था कि हादसे के बाद परिवारों की आर्थिक स्थिति और खराब हुई है, इसलिए राहत राशि और अन्य सहायता जल्द उपलब्ध कराई जानी चाहिए। शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने कहा कि कांग्रेस न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में पीड़ित परिवारों के लिए राहत और मुआवजे को लेकर की गई अनुशंसाओं को सरकार को तत्काल लागू करना चाहिए। चौकसे ने कहा कि पीड़ित परिवारों की समस्याओं और उनकी मांगों को लेकर कांग्रेस आगे भी उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने संकेत दिया कि दोषियों पर कार्रवाई और पीड़ितों को राहत दिलाने की मांग को लेकर कांग्रेस दोबारा आंदोलन करेगी। इस दौरान राम नारायण बौरासी, अमित यादव, रानू मलोरिया, नितेश बौरासी सहित कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भुगतान के लिए सड़कों पर उतरे किसान

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में फसल बेचने के बाद भी भुगतान के लिए महीनों और वर्षों से इंतजार कर रहे मझौली तहसील क्षेत्र के सैकड़ों किसानों का बुधवार को आक्रोश सड़क पर उतर आया। करीब 200 से 250 किसान ट्रैक्टरों के बड़े काफिले के साथ कलेक्ट्रेट का घेराव करने शहर पहुंचे। किसान नेता सतवंत सिंह ठाकुर के नेतृत्व में आए किसानों को पुलिस ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए दीनदयाल चौक पर ही रोक दिया। किसानों के काफिले के शहर में प्रवेश करते ही पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रास्ता बंद कर दिया। बड़ी संख्या में ट्रैक्टर सड़क पर खड़े होने से यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस अधिकारियों ने किसानों से बातचीत कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन लंबे समय से भुगतान नहीं मिलने को लेकर किसानों में जबरदस्त नाराजगी दिखाई दी। जिला प्रशासन ने किसानों की भारी भीड़ को देखते हुए पूरे काफिले को कलेक्ट्रेट तक जाने की अनुमति नहीं दी। प्रशासन की ओर से केवल पांच ट्रैक्टरों को आगे जाने की इजाजत दी गई, जबकि बाकी किसानों को दीनदयाल चौक पर ही रोक दिया गया।

वृंदावन ग्राम में उन्नत नस्ल के पशुओं की प्रतियोगिता आयोजित करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने रतलाम में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को उज्जैन से वर्चुअली संबोधित किया

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उन्नत नस्ल के पशुपालन को बढ़ावा दिया जाए। पशुपालकों को प्रोत्साहन मिले, इसके लिए वृंदावन ग्राम में पशु प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाए। प्रथम आने वाले पशुपालक को सरकार एक लाख रुपये देगी। द्वितीय आने वाले को 50 हजार रुपये एवं तीसरे स्थान पर आने वाले को 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कार का वितरण दीपावली पर गौवर्धन पूजा के अवसर पर किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को रतलाम में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को उज्जैन से वर्चुअल संबोधित किया। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि रतलाम के किसान खेती में बदलाव के साथ अलग-अलग प्रकार की खेती कर रहे है। किसान अपनी आय बढ़ाने के लिए फसल उत्पादन, प्रोसेसिंग, पशुपालन एवं उद्यानिकी जैसी गतिविधियों को अपना रहे है। किसानों को कृषि क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा सिंचाई का रकबा बढ़ाने के साथ ही पम्प ऊर्जीकरण के लिए 30 लाख किसानों के खेतों पर सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य रखा गया है। रबी सीजन में सिंचाई के लिए किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी। रतलाम में चंबल के पानी से सिंचाई हो रही है। नदी जोड़ो अभियान से रतलाम के किसानों के जीवन में बदलाव आएगा। एक्सप्रेस-वे के बनने से रतलाम में अच्छी बाजार व्यवस्था उपलब्ध हुई है। रतलाम के किसान बहुउद्देशीय फसलें उगाते हैं। साथ ही प्रोसेसिंग का कार्य भी करते है। रतलाम में अंगूर की खेती और अंगूर की प्रोसेसिंग का व्यवसाय भी अच्छे से चल रहा है। रतलाम स्वर्ण, सेव और उन्नत खेती के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने रतलाम की सेव के साथ ही तेल वाली कचौरी की भी तारीफ की।मुख्यमंत्री डॉ. यादव से संवाद करते हुए सरकार की पीएम एफएमई योजना का लाभ लेकर घी के व्यवसाय को यूएस एवं श्रीलंका तक पहुंचाने वाले किसान दिलीप पाटीदार ने कहा कि उन्हें सरकार की योजना के अंतर्गत 30 लाख 10 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई है। वह बिलोना पद्धति से घी बनाते हैं, जिससे घी की शुद्धता और स्वाद अच्छा होना है जिससे देश के साथ-साथ विदेशों में भी घी की मांग बढ़ी है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

भोपाल में पीजी डॉक्टर ने पूर्व प्रेमिका पर की फायरिंग, कनपटी छूकर निकली गोली

भोपाल। राजधानी भोपाल के गांधी नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक पीजी डॉक्टर ने अपनी पूर्व प्रेमिका महिला डॉक्टर और उसके कजिन भाई पर फायरिंग कर दी। घटना में दोनों घायल हो गए। महिला डॉक्टर की कनपटी को छूते हुए गोली निकल गई, जबकि उसके कजिन भाई को भी चोट लगी है। वारदात के बाद आरोपित डॉक्टर ने खुद भी फांसी लगाकर जान देने की कोशिश की, लेकिन मौके पर मौजूद दोस्तों ने उसे समय रहते नीचे उतार लिया। तीनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना गांधी नगर थाना क्षेत्र के पतंजलि परिसर की है। गांधी नगर थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी के मुताबिक, 27 वर्षीय महिला डॉक्टर श्वेता ठाकुर मूल रूप से गुजरात की रहने वाली हैं। वह भोपाल के पतंजलि परिसर में रहकर एमडी की पढ़ाई कर रही हैं। श्वेता तीन दिन पहले अपने कजिन अभिषेक ठाकुर के साथ गुजरात से भोपाल लौटी थीं। पुलिस के अनुसार, पीजी डॉक्टर नवीन और श्वेता पहले रिलेशनशिप में रह चुके हैं। बाद में दोनों अलग हो गए थे। नवीन को शक था कि श्वेता ने किसी युवक से सगाई कर ली है। इससे वह नाराज था।

आरोपित इसी बात को लेकर बार- बार महिला डॉक्टर के ऊपर अपने साथ रहने के लिए दबाव बना रहा था। मंगलवार देर रात में भी जब युवती अपने दोस्तों के साथ खाना खाकर लौटी थी, तभी आरोपी डॉक्टर उसके फ्लैट पर पहुंचा और इस दौरान बातचीत हुई, जो देखते ही देखते बहस में बदल गई। इसके बाद जब युवती ने आरोपी नवीन से बात करने से इंकार कर दिया, तो उसने तुरंत ही फायर कर दिया। एयरगन के छर्रे महिला डॉक्टर और उसके कजिन भाई को लगे, जिससे दोनों लहूलुहान होकर गिर पड़े। इसके बाद आरोपी नवीन ने घबराकर पास ही फांसी का फंदा बनाकर जान देने की कोशिश की लेकिन दोस्तों की मुस्तैदी से तीनों की जान बच गई है। अभी तीनों का ही अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि आरोपी डॉक्टर नवीन राजगढ़ का रहने वाला है।

तीनों ही आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट हैं।घटना की सूचना मिलते ही गांधी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने फ्लैट (छ25/5) को सील कर दिया है और फॉरेंसिक टीम से जांच कराई जा रही है।

शुरूआती जांच में पुलिस इसे एकतरफा प्रेम प्रसंग और उससे जुड़े विवाद के तौर पर देख रही है। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ धारा 307 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

मप्र के मुख्यमंत्री आज मुंबई में फार्मा, मेडिकल डिवाइस सेक्टर के उद्योगपतियों से करेंगे संवाद

भोपाल। मध्य प्रदेश में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार, 8 अक्टूबर को मुंबई में उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ संवाद करेंगे। जनवरी 2027 में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पहले होने वाले इस संवाद में मध्यप्रदेश में विकसित किए जा रहे विभिन्न सेक्टर के औद्योगिक क्षेत्रों और उनमें उपलब्ध निवेश अवसरों को संबंधित उद्योग समूहों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रमुख उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन बैठकें भी करेंगे।

जनसंपर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने बुधवार को बताया कि मुंबई देश के प्रमुख औद्योगिक और कारोबारी केंद्रों में ही नहीं है बल्कि देश की आर्थिक राजधानी भी है। यहां ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल्स, टेक्सटाइल्स, केमिकल्स और उभरती ऊर्जा प्रौद्योगिकियों से जुड़े बड़े उद्योग समूह हैं। मध्यप्रदेश इन क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को संबंधित कंपनियों तक पहुंचा रहा है, ताकि प्रदेश में विकसित किए जा रहे औद्योगिक अवसरों को उद्योगों की जरूरत और उनकी विस्तार योजनाओं से जोड़ा जा सके।उन्होंने बताया कि मुंबई संवाद में ग्वालियर के टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन, नर्मदापुरम के बाबई मोहासा रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग जोन, धार के पीएम मित्र पार्क और उज्जैन के मेडिकल डिवाइसेज पार्क को प्रमुखता से सामने रखा जाएगा। ये परियोजनाएं अलग-अलग क्षेत्रों की जरूरत के अनुसार तैयार किए जा रहे विशेष औद्योगिक क्षेत्रों का हिस्सा हैं।

ग्वालियर में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग, नर्मदापुरम में रिन्यूएबल एनर्जी उपकरण, धार में टेक्सटाइल और गारमेंट तथा उज्जैन में मेडिकल डिवाइसेज और हेल्थकेयर मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े उद्योगों के लिए अवसर उपलब्ध हैं। इन क्षेत्रों में निवेश से संबंधित उद्योगों के साथ सहायक इकाइयों और स्थानीय सप्लाई चेन के विकास की संभावनाएं भी बनेंगी।जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार का जोर ऐसे निवेश पर है, जिससे प्रदेश में उत्पादन बढ़ने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ें। बड़ी औद्योगिक इकाइयों के साथ उनके सप्लायर, सहायक उद्योग, लॉजिस्टिक्स और दूसरी सेवाओं का काम भी बढ़ता है। इससे स्थानीय उद्यमियों के लिए नए अवसर और युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाएं बनती हैं।

मुख्यमंत्री ने पार्षद स्व. माया त्रिवेदी के निवास पहुंचकर अर्पित की श्रद्धांजलि

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को उज्जैन में वार्ड क्रमांक-22 की पार्षद स्व. माया राजेश त्रिवेदी के कार्तिक चौक स्थित निवास पहुंचकर उनके आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. माया त्रिवेदी की पार्थिव देह पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी और इस कठिन घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने श्रीमती माया त्रिवेदी के निधन पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष ओम जैन, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी, संजय अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी दिवंगत माया त्रिवेदी की पार्थिव देह पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

सभी विभागों को समय सीमा में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक करने के निर्देश

भोपाल। राज्य शासन ने मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 के अनुसार अनिवार्य रूप से अधीनस्थ कार्यालयों को समय-सीमा में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए हैं, जिससे पात्र लोक सेवकों को समय पर पदोन्नति प्राप्त हो सके। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस सम्बन्ध मे सभी विभागों, संभागायुक्तों, विभागध्यक्ष एवं कलेक्टर्स को विस्तृत निर्देश दिए हैं।

जनसम्पर्क अधिकारी राजेश बैन ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 के नियम 6 के अनुसार प्रत्येक चयन वर्ष के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित किए जाने का स्पष्ट प्रावधान है। प्रत्येक चयन वर्ष के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक उसके पूर्ववर्ती वर्ष में सामान्यतः माह सितम्बर से माह नवम्बर के मध्य आयोजित की जाना अनिवार्य है। इस बैठक में आगामी चयन वर्ष की 31 दिसम्बर के पूर्वान्ह तक की स्थिति में उपलब्ध उद्भूत होने वाली समस्त संभावित एवं अप्रत्याशित रिक्तियों के लिए पदोन्नति के लिए लोक सेवकों की उपयुक्तता पर विचार किया जाएगा।जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, पूर्व में 31 दिसम्बर, 2025 के पूर्वान्ह तक की रिक्तियों के लिये एक विशेष विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक इस नियम के प्रवृत्त होने के उपरांत की गई थी,जिसके आधार पर वर्ष 2026 में पदोन्नति की कार्यवाही की गई है अथवा प्रचलन में है।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा परिपत्र में कहा गया है कि वर्ष 2025 में पुनः माह सितम्बर से माह नवम्बर के मध्य वर्ष 2026 में उत्पन्न हुई कोई अप्रत्याशित रिक्ति जो प्रतीक्षा सूची से भी नहीं भरी जा सकी हो एवं चयन वर्ष अर्थात 31 दिसम्बर 2026 के पूर्वान्ह तक की प्रत्याशित रिक्तियों को भरने के लिये विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक की जानी थी। सामान्य प्रशासन विभाग ने निर्देश दिए हैं कि विभागों द्वारा 31 दिसंबर 2026 के पूर्वान्ह तक की प्रत्याशित रिक्तियों को भरने के लिये यदि बैठक आयोजित नहीं की गई हो तो बैठक आयोजित की जाए। विभाग द्वारा यदि विशेष विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक 31 दिसंबर 2025 के पूर्वान्ह तक की प्रत्याशित रिक्तियों को भरने के साथ ही 31 दिसंबर 2026 के पूर्वान्ह तक की प्रत्याशित रिक्तियों को भरने की कार्यवाही की जा चुकी हो तो बैठक के आयोजन की आवश्यकता नहीं होगी। परिपत्र के अनुसार वर्ष 2026 में उत्पन्न हुई कोई अप्रत्याशित रिक्ति जो प्रतीक्षा सूची से भी नहीं भरी जा सकी हो एवं आगामी चयन वर्ष अर्थात 31 दिसम्बर 2027 के पूर्वान्ह तक की प्रत्याशित रिक्तियों को भरने के लिये विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक भी इसी वर्ष माह सितम्बर से नवम्बर के मध्य किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत संकल्प सभा के माध्यम से देशवासियों से किया वर्चुअल संवाद

प्रदेश के समस्त बूथों से निकली सेवा ज्योति यात्रा, मंत्री सारंग भोपाल जिले के मुख्य कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल। विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा, नई दिशा और जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को विकसित भारत संकल्प सभा के माध्यम से देशवासियों से वर्चुअल संवाद किया।प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत देशभर में विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया गया। प्रदेश में भी विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।मप्र के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री तथा विकसित भारत संकल्प सभा (सेवा ज्योति यात्रा) के प्रदेश प्रभारी विश्वास कैलाश सारंग के नेतृत्व में प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। भोपाल जिले का मुख्य कार्यक्रम रवींद्र भवन में आयोजित किया गया, जिसमें उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय सहित जिले के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। सभी ने प्रधानमंत्री मोदी के उद्बोधन को वर्चुअल माध्यम से सुना।इस अवसर पर मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होना देश के लिए सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना को और अधिक मजबूत करने का अवसर है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत केवल सरकार का लक्ष्य नहीं बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के संकल्प, सहभागिता और सामूहिक प्रयास का परिणाम होगा।

सेवा ज्योति यात्रा इसी भावना का प्रतीक है, जिसके माध्यम से सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण का संदेश समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है।मंत्री सारंग ने बताया कि प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकताओं ने प्रत्येक बूथ से जनता के साथ संवाद करते हुए सेवा ज्योति यात्रा के रूप में जिला केंद्रों की ओर प्रस्थान किया। यात्रा के माध्यम से कार्यकताओं एवं नागरिकों ने सेवा के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने और विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। उन्होंने बताया कि भोपाल जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों के विभिन्न बूथों से सेवा ज्योति यात्राएं प्रारंभ हुईं। इन यात्राओं में कार्यकताओं के साथ समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने सहभागिता की। विभिन्न क्षेत्रों से निकलकर सेवा ज्योति यात्राएं रवींद्र भवन स्थित मुख्य कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं, जहां सभी यात्राओं का समागम हुआ।रवींद्र भवन में आयोजित विकसित भारत संकल्प सभा में प्रधानमंत्री मोदी के वर्चुअल संवाद के बाद भोपाल जिले में सेवा ज्योति यात्रा का अगला चरण प्रारंभ हुआ। मुख्य कार्यक्रम स्थल से विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के लिए सेवा ज्योति यात्रा के रूप में मशाल यात्रा निकाली गई। मशाल जुलूस के माध्यम से सेवा, सुशासन, जनभागीदारी और विकसित भारत के संकल्प का संदेश प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र और बूथ तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

'सेवा फर्स्ट-इनोवेशन चैलेंज' में अधिकतम कराएँ पंजीयन

भोपाल। मध्य प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान 2026 अन्तर्गत राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज के मध्य प्रदेश चैप्टर में पंजीयन का कार्य मंगलवार से प्रारंभ हो गया है। ₹सेवा फर्स्ट इन्नोवेशन चैलेंज₹ में अधिक से अधिक पंजीयन करने के साथ ही संपूर्ण प्रक्रिया को धरातल पर उतारने के लिए आज मंत्रालय में मंत्री समूह की बैठक हुई।बैठक की अध्यक्षता नवीन नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने की। बैठक में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप , राज्यसभा सदस्य रजनीश अग्रवाल, राजेंद्र सिंह, आनंद स्वरूप के साथ ही आयुक्त एमएसएमई कुमार पुरुषोत्तम , आयुक्त तकनीकी शिक्षा अवधेश शर्मा सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।बैठक में ₹सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज₹ की रूपरेखा पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन से प्रस्तुत की गई। मंत्री समूह ने इसके प्रॉपर क्रियान्वयन के लिए शासन स्तर से समिति गठन किए जाने संबंधी शासन स्तर पर प्राथमिक तौर पर अनुमोदन दिया। बैठक में बताया गया कि कार्यक्रम के बेहतर क्रियान्वयन और संचालन के लिए शासन स्तर से शीघ्र ही निर्देश जारी किए जाएंगे।

यूथ कॉन्क्लेव पर जीतू पटवारी ने सरकार को घेरा रोजगार से लेकर प्रशासन तक उठाए सवाल

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने यूथ कॉन्क्लेव और प्रदेश की युवा नीति को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने रोजगार, सरकारी विभागों में रिक्त पद, भर्ती परीक्षाओं में देरी, कथित पेपर लीक, लंबित नियुक्तियों, ओबीसी आरक्षण, प्रदेश पर बढ़ते कर्ज और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर सरकार से जवाब मांगा।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए पटवारी ने मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की बस में आग लगने की घटना का भी उल्लेख कियापटवारी ने अगले वर्ष एक लाख युवाओं को सरकारी रोजगार देने की सरकार की घोषणा पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे पहले ढाई लाख और पांच लाख रोजगार देने की घोषणाएं भी की जा चुकी हैं। उन्होंने सरकार से पूछा कि पूर्व में की गई घोषणाओं के तहत कितने युवाओं को रोजगार मिला और अब एक लाख पदों पर भर्ती किन विभागों में और कितने पदों पर होगी।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री की साल में दो बार लोक सेवा आयोग की परीक्षा कराने की घोषणा पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि केवल परीक्षाओं की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि भर्ती प्रक्रिया को निर्धारित समयसीमा में पूरा करना जरूरी है।

पटवारी ने प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में युवाओं का विश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शी व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने पेपर लीक के मामलों की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने तथा भर्ती परीक्षाओं का वार्षिक कैलेंडर जारी करने की मांग की। उन्होंने चयन प्रक्रिया पूरी कर चुके अभ्यर्थियों की लंबित नियुक्तियां जल्द करने और 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण से जुड़े लंबित पदों की स्थिति स्पष्ट करने की भी मांग सरकार से की।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने यूथ कॉन्क्लेव के दौरान युवाओं के लिए की गई व्यवस्थाओं और पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने यूथ कॉन्क्लेव में गायक जुबिन नौटियाल को बुलाए जाने और आयोजन में हुए खर्च का ब्योरा भी सार्वजनिक करने की मांग की। उनका कहना था कि युवा सम्मेलन में रोजगार, शिक्षा और भर्ती जैसे मुद्दों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। वहीं स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन को लेकर अलग-अलग जिलों में पटवारियों के खिलाफ की गई निलंबन कार्रवाई का मुद्दा भी उठाया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश पर बढ़ते कर्ज को लेकर भी सरकार से हिसाब मांगा। उन्होंने दावा किया कि राज्य का कर्ज लगातार बढ़ रहा है। पटवारी ने सरकार से कर्ज लेने, उसके उपयोग और ब्याज भुगतान की स्थिति सार्वजनिक करने की मांग की।पटवारी ने युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार के सामने सात प्रमुख मांगें रखीं।

इनमें सभी विभागों के स्वीकृत और रिक्त पदों की जानकारी सार्वजनिक करना, वार्षिक भर्ती कैलेंडर जारी करना, पेपर लीक के मामलों की जांच, लंबित नियुक्तियां पूरी करना, 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण से जुड़े लंबित पदों की स्थिति स्पष्ट करना, उच्च शिक्षा संस्थानों में रिक्त पदों पर पारदर्शी भर्ती करना और रोजगार मेलों के बजाय वास्तविक नियुक्तियों का विवरण सार्वजनिक करना शामिल है।

भोपाल जिले के 88 प्रतिशत एलपीजी उपभोक्ताओं ने करायी ई-केवायसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल जिले के 88 प्रतिशत एलपीजी उपभोक्ताओं द्वारा ई-केवायसी की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा विगत 06 माह में 06 बार ई-केवायसी की अनिवार्यता के लिये समय-सीमा बढ़ाई गई है। एक अक्टूबर 2026 तक जिन उपभोक्ताओं के द्वारा ई-केवायसी नहीं कराई गई है, उन्हें गैस रिफिल बुकिंग की सुविधा गैस कंपनियों द्वारा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार के निदेर्शानुसार अस्थाई रूप से बंद की गई है, जो संबंधित उपभोकता द्वारा ई-केवायसी कराये जाने पर तत्काल पुनः प्रारंभ हो सकेगी। उपभोक्ता गैस एजेंसी अथवा ऑयल कंपनी के ऐप के माध्यम से भी घर बैठे ई-केवायसी कर सकते है।

खाद्य विभाग के आयुक्त दिनेश जैन ने बुधवार को बताया कि वर्तमान में भोपाल जिले में 4 सोसायटी 1. सागर लेक व्यू होम्स अयोध्या बायपास, 2. सौम्या पार्क लैण्ड अवधपुरी, 3. आकृति ग्रीन्स सलैया, 4. कैनाल किंनशिप सलैया) एलपीजी फ्री घोषित की गई है। इन कॉलोनियों में पीएनजी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अतिरिक्त 12 अन्य कॉलोनियों को एलपीजी फ्री घोषित करने की प्रक्रिया प्रचलित है।

उन्होंने बताया कि थिंक गैस कंपनी के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि जिन घरों में पीएनजी कनेक्शन पूर्व से उपलब्ध हैं।

टेलिकम्युनिकेशन से सुदूर गांवों में भी बेहतर इलाज संभवः डॉ. प्रिया

भोपाल। आज कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी के माध्यम से अब चिकित्सा जगत कई चमत्कार कर रहा है। अब छोटे से गांवों और कस्बों में भी अच्छे चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध हैं। दूर-दराज के इलाकों से लोगों को बीमारियों के इलाज के लिए, हजारों किलोमीटर दूर जाने की जरूरत नहीं है।

शहर में बैठे-बैठे रोबोटिक सर्जन अपनी गांवों तक विशेषज्ञता का लाभ दे रहे हैं। यह सब संभव हो पा रहा है टेलिकम्युनिकेशन की तकनीक से ।एमसीयू में बुधवार को आयोजित टेड टॉक में आज के सत्र की विशेषज्ञ डॉ. प्रिया भावे चित्तावर ने ये बातें कहीं। डॉक्टर भावे ने सर्जरी विदाउट बॉर्डर विषय पर दिए, अपने उद्बोधन में कई दिलचस्प जानकारी साझा की। उन्होंने विश्व की पहली टेलीसर्जरी से लेकर अब भारत में चिकित्सा जगत में हो रहे आधुनिकतम बदलाव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम कितने ही आगे बढ़ जाएं लेकिन एक डॉक्टर के अनुभव, विवेक और सर्जरी के समय निर्णय लेने की क्षमता का स्थान टेक्नोलॉजी नहीं ले सकती फिर भी जो कुछ रोबोटिक काम भारत में हो रहा है वह अचरज के साथ गर्व का भी विषय है।

उन्होंने उदाहरण दिया कि अगर दूरस्थ सीमा पर हमारा कोई सैनिक घायल हो जा, जहाँ तुरंत और तत्काल डॉक्टर नहीं पहुँच सकता है तो ड्रोन कैमरा के माध्यम से सर्जरी संभव है।दूसरे सत्र में प्रोफेसर दिवाकर शुक्ला ने इंडियन आर्ट आफ स्टोरी टेलिंग विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि किसी भी कहानी को कहने के लिए बहुत से ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती। भारत में स्टोरी टेलिंग के हजारों तरीके हैं। हम भारतीय कहानियों को अपने जीवन में जीते हैं। ये कहानियां कभी खत्म नहीं होती। यहां के लोग, उनकी संस्कृति और कला में हजारों कहानियां मिलती है। भारतीय घरों में रोज बनाए जाने वाली रंगोली या अल्पना में भी कहानियां होती हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय कहानियां बहुत प्रासंगिक होती हैं। भारत की कलाओं के जो पैटर्न हमें मिलते हैं उनकी अपनी एक विशिष्ट ऐतिहासिक श्रृंखला होती है। वर्ली आर्ट का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गौर से देखने पर मालूम होता है कि उसमें मानवीय जीवन की गतिविधियां और प्रकृति की नैसर्गिकता दिखती है। उसमें दिखने वाली परंपराएं और प्रतीक लोक कलाकारों और महिलाओं द्वारा बनाए जाते हैं।उन्होंने कहा भारतीय कला का एक अपना विशिष्ट सौंदर्य है। हमें कहा जाता है कि हम अक्सर अपने गांव में जाएं उन्हें समझ वहां की संस्कृति को देखें तो उससे हमें बहुत सी चीज समझ आती हैं। इस सब को अनुभव करते हुए हम आसानी से कहना कहानी कहना सीख सकते हैं।

रामायण और महाभारत की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इन कथाओं के भीतर अनेकों कहानियां होती है औ हर एक कहानी बिल्कुल अलग होती है। यही कारण है कि रामायण और महाभारत के कई प्रकार भारत ही नहीं दुनिया भर में मौजूद है। उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा बेहद विराट और समृद्ध है।उन्होंने जनजातीय संस्कृतियों को विशिष्ट बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति बेहद शक्तिशाली है।

अगर हम इसे समझें और जानें तो इससे जुड़ी कहानियों को भी जान सकते हैं। आज कमर्शियल मीडिया भारत की लोक कथाओं से प्रेरित होकर कहानियों को कह रहा है। स्टोरी टेलिंग की आर्ट के बारे में उन्होंने कहा कि ध्यान रखें कि अगर हमारी कहानी कृत्रिम होगी तो उन्हें सुनने और समझने वालों को आनंद नहीं आएगा। हर कहानी सच्ची होनी चाहिए और उसमें घटनाएं अपने प्राकृतिक स्वरूप में उसमें नजर आनी चाहिए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

श्रम ही आधार, सिर्फ खबरों से सरोकार

गुरूवार, 08 अक्टूबर 2026

विक्रम संवत्- 2083, आश्विन कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी

बड़े सवालों का प्रतिबिंब

लोकतंत्र में विरोध का अधिकार और संस्थाओं की निष्पक्षता दोनों ही आधार स्तंभ हैं। 6 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली में घटे घटनाक्रम, राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया ब्लॉक का चुनाव आयोग तक मार्च, आकाशवाणी भवन परिसर में नौ घंटे का धरना, दिल्ली पुलिस की कार्रवाई और चुनाव आयोग का बयान, इन तीनों को अलग-अलग नहीं, बल्कि एक साथ लोकतंत्र की कसौटी पर रखकर देखना जरूरी है। यह घटना सिर्फ राजनीतिक नाटक नहीं, बल्कि मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) और कथित 'वोट चोरी' के आरोपों से जुड़े बड़े सवालों का प्रतिबिंब है। राहुल गांधी की रणनीति को पहले समझें। विपक्ष का आरोप है कि विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया में करोड़ों नाम हटाए गए और इससे सत्ताधारी दल को लाभ पहुंचा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर संसद से चुनाव आयोग तक मार्च निकाला गया। पुलिस ने रास्ता रोका तो राहुल और प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई नेता आकाशवाणी भवन परिसर में घुस गए और धरने पर बैठ गए। करीब नौ घंटे तक वे वहां रहे। राहुल ने बार-बार कहा कि तीन सौ से ज्यादा विपक्षी सांसद करोड़ों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, वे चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते हैं। बैरिकेड चढ़ना, अचानक रास्ता बदलना और धरना जारी रखना, यह सब विपक्ष की ओर से सड़क पर मुद्दे को जीवित रखने की कोशिश थी। राजनीतिक रूप से यह रणनीति विपक्ष को एकजुट दिखाने और मुद्दे को मीडिया केंद्र में रखने में सफल रही। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या औपचारिक अपॉइंटमेंट मांगने के बजाय धरना और मार्च ही एकमात्र रास्ता था? संसदीय लोकतंत्र में संस्थाओं से संवाद का रास्ता पहले आजमाना चाहिए था। फिर भी, शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार संविधान प्रदत्त है और इसे कुचलना लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं। पुलिस की सख़्ती दूसरे पक्ष को दर्शाती है। भारी बैरिकेडिंग, सांसदों को हिरासत में लेना और अंत में बलपूर्वक हटाकर बस में बैठाना, यह सब प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर हुआ। कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का कर्तव्य है, खासकर राजधानी के संवेदनशील इलाकों में। लेकिन जब विपक्षी सांसद और नेता शांतिपूर्ण तरीके से बैठे हों, तो नौ घंटे बाद बलपूर्वक हटाने का दृश्य कई सवाल खड़े करता है। क्या बातचीत और समझौते का कोई रास्ता नहीं निकाला जा सकता था? क्या हिरासत में लेना और फिर रिहा करना सिर्फ औपचारिकता थी? लोकतंत्र में पुलिस को तटस्थ और संयमित रहना चाहिए। अगर विरोध को दबाने का आभास बने तो संस्थाओं पर भरोसा और कमजोर होता है। साथ ही, यह भी सच है कि बिना अनुमति के सरकारी परिसर में लंबे समय तक जमावड़ा व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकता है। चुनाव आयोग का जवाब तीसरा महत्वपूर्ण पहलू है। आयोग ने साफ कहा कि शाम चार बजे तक किसी भी दल ने बैठक के लिए औपचारिक समय नहीं मांगा था। पुलिस से जानकारी मिलने के बाद ही पता चला कि प्रतिनिधिमंडल मिलना चाहता है। संस्था की स्वतंत्रता और प्रक्रिया का पालन जरूरी है। बिना पूर्व सूचना के अचानक पहुंचकर बैठक की मांग करना प्रशासनिक रूप से उचित नहीं कहा जा सकता। लेकिन विपक्ष का यह आरोप भी गंभीर है कि कई बार अपॉइंटमेंट मांगा गया और नहीं मिला। चुनाव आयोग जैसी संस्था पर राजनीतिक दबाव या पक्षपात का आरोप अगर गहराता है, तो लोकतंत्र की जड़ें हिलती हैं। मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर बदलाव और उसके पारदर्शिता पर उठे सवालों का जवाब आयोग को तथ्यों के साथ देना चाहिए। सिर्फ प्रक्रिया का हवाला देकर नहीं, बल्कि जनविश्वास बहाल करने के लिए सक्रिय संवाद भी जरूरी है। इन तीनों को कैसे देखा जाए? राहुल गांधी की रणनीति राजनीतिक विरोध को सड़क पर ले जाने का प्रयास है, जो लोकतंत्र में वैध है लेकिन संस्थाओं से संवाद का विकल्प नहीं बन सकता। पुलिस की सख़्ती व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास है, लेकिन बल प्रयोग का दृश्य लोकतांत्रिक मयार्दा पर सवाल खड़ा करता है। चुनाव आयोग का जवाब प्रक्रियागत है, लेकिन आरोपों के बीच निष्पक्षता साबित करने की जिम्मेदारी भी उसी की है। तीनों पक्षों को खुद पर नजर डालनी चाहिए। विपक्ष को संस्थागत तरीकों से मुद्दा उठाना चाहिए, प्रशासन को संयम बरतना चाहिए और चुनाव आयोग को पारदर्शिता बढ़ाकर विश्वास जीतना चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती विरोध, व्यवस्था और संस्था–तीनों के संतुलन में है। अगर कोई एक पक्ष हावी हो जाए तो लोकतंत्र कमजोर पड़ता है। इस घटना से सबक लेकर संवाद और जवाबदेही को मजबूत करना ही सही रास्ता है।

क्या बिहार की नियति बन चुका है बाढ़ का प्रकोप?

निर्मल रानी

पड़ोसी देश नेपाल और मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश जैसे ऊपरी राज्यों में हुई भारी बारिश के बाद इन दिनों बिहार की गंडक, कोसी और गंगा समेत कई प्रमुख नदियों उफान पर हैं और बाढ़ का विकराल रूप धारण कर चुकी हैं।

इस समय राज्य के 15 से अधिक जिले भीषण बाढ़ की चपेट में हैं और 50 लाख से अधिक की आबादी प्रभावित हो चुकी है। कई जगहों पर मुख्य व पुराने जमींदारी तटबंध टूटने के कारण सैकड़ों गाँवों में पानी भर गया है। राज्य के उत्तर-पश्चिमी और गंगा तटीय क्षेत्र इस समय सबसे गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। पश्चिम चंपारण, बगहा, बेतिया, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी, गोपालगंज, सारण, छपरा,और मुजफ़्फ़रपुर आदि क्षेत्र गंडक नदी की बाढ़ से प्रभावित हैं। बगहा में गंडक का पानी रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच चुका है और अकेले बगहा में ही 24 घंटे में चार जगहों पर तटबंध टूटने से भारी तबाही हुई है। इसी तरह गंगा और सोन नदी में आई बाढ़ से पटना के दानापुर दियारा, गांधी घाट, बेगूसराय, भागलपुर के सुल्तानगंज, कहलगांव, खगड़िया, वैशाली, भोजपुर, लखीसराय, और बक्सर आदि क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुये हैं। जबकि कोसी और बागमती नदी के कारण सुपौल, सहरसा, और मधेपुरा के निचले इलाके भी जलमग्न हो चुके हैं।

तेज बहाव और उफनती नदियों के कारण छपरा जिले के सारण,मकेर और पानापुर प्रखंडों में मुख्य बांध टूटने से पानी तेजी से कचौंलिया, अमनौर, जगदीशपुर, परसा जैसे नए रिहाइशी इलाकों की तरफ बढ़ रहा है और इन इलाकों में मिट्टी का भारी कटान हो रहा है। जबकि गोपालगंज के शीतलपुर में जमींदारी बांध टूटने से गंडक नदी का तेज बहाव आसपास के सात गांवों की जमीनों को तेजी से काट रहा है।

इसी तरह पश्चिम चंपारण के योगापट्टी और मधुबनी ब्लॉक के सिसवा कुटी क्षेत्र में गंडक नदी का भयानक कटान जारी है, जहां पूरी की पूरी जमीन नदी में समाती जा रही है। उधर भागलपुर के ममलखा गाँव और पटना के दानापुर दियारा क्षेत्र में गंगा नदी के किनारे भीषण कटान हो रहा है, जिससे किनारे बसे गांवों का वजूद ही खतरे में पड़ गया है। कुछ इलाकों में तीन फीट तक, जबकि निचले हिस्सों में छह से आठ फीट तक पानी जमा होने की खबर है।

राज्य के 250 से अधिक गाँवों के भीतर कई-कई फीट पानी भर चुका है, जिससे हजारों मकान डूब गए हैं। भागलपुर के ममलखा और छपरा के हजलपुर जैसे गांवों से दिल दहला देने वाले वीडियो सामने आए हैं, जहाँ तेज बहाव और भीषण भू कटान के चलते दो-दो मंजिला पक्के मकान ताश के पत्तों की तरह ढहकर कुछ ही सेकंडों में नदी में विलीन होते देखे गए। लाखों लोग अपने घर छोड़कर ऊंचे स्थानों और बांधों पर तिरपाल लगाकर रहने को मजबूर हैं। इसी तरह हजारों एकड़ में लगी और तैयार धान, मक्का और सब्जियों की फसलें पूरी तरह पानी में डूबकर नष्ट हो चुकी हैं। बाढ़ के कारण किसानों की आजीविका पूरी तरह ठप हो गई है। हालांकि आधिकारिक तौर पर तो नुकसान का सटीक वित्तीय मूल्यांकन बाढ़ का पानी उतरने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा परन्तु शुरूआती रिपोर्ट्स के मुताबिक नुकसान बेहद व्यापक है।

50 लाख से अधिक लोग इस आपदा से सीधे तौर पर प्रभावित हैं। विभिन्न जिलों में पानी में डूबने की घटनाओं के कारण अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। इसके अलावा, पशुपालन विभाग के अनुसार, लगभग 70,000 मवेशी प्रभावित हुए हैं और उनके लिए चरागाह तथा चारे की भी गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। उधर छपरा और उत्तर बिहार के अन्य हिस्सों में राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 722 पर 7 से 8 फीट तक पानी बहने के कारण परिवहन और संपर्क पूरी तरह टूट गया है। ग्रामीण सड़कें, छोटे पुल-पुलिया और बिजली के बुनियादी ढांचे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं।

बिहार में लगभग प्रत्येक वर्ष आने वाली बाढ़ और जल प्रलय राज्य के लिये हमेशा ही एक गंभीर और संवेदनशील मुद्दा है। इसमें भौगोलिक कारणों के साथ-साथ प्रशासनिक व्यवस्था और नीतियों की भी बड़ी भूमिका रही है। इस समस्या के पीछे सरकार की जिम्मेदारी और कथित भ्रष्टाचार को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक कार्यकताओं और विशेषज्ञों के अलग-अलग दृष्टिकोण हैं। विपक्षी नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं का आरोप है कि सरकार बाढ़ प्रबंधन में पूरी तरह दीर्घकालिक योजना बनाने में विफल रही है। नदियों में वर्षों से जमा हो रही गाद को निकालने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जाते जिससे नदियों का तल ऊंचा हो गया है और उनकी पानी सोखने की क्षमता कम हो गई है। जबकि आलोचक मानते हैं कि केवल नए तटबंध बनाना ही समाधान नहीं है, क्योंकि वे पानी के प्राकृतिक प्रवाह को रोकते हैं। दशकों से कोसी या अन्य नदियों पर उच्च बांध बनाने की दिशा में नेपाल सरकार के साथ कोई ठोस अंतरराष्ट्रीय सहमति पाना भी इस समस्या के मुख्य कारणों में एक है।

उधर वर्तमान एनडीए सरकार और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों का तर्क है कि बिहार की बाढ़ एक प्राकृतिक और भौगोलिक आपदा है जो मुख्य रूप से नेपाल में होने वाली अत्यधिक भारी बारिश और वहां से अचानक छोड़े जाने वाले पानी पर निर्भर करती है। सरकार के अनुसार जल संसाधन विभाग हर साल बाढ़ नियंत्रण, तटबंधों की मरम्मत और कटाव रोकने के लिए हजारों करोड़ रुपये का बजट आवंटित करता है।

इसके साथ ही बिहार में बाढ़ नियंत्रण और राहत फंड में भ्रष्टाचार के आरोप भी दशकों से एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा रहे हैं। विपक्ष, स्थानीय नागरिकों और पत्रकारों द्वारा अक्सर आरोप लगाए जाते हैं कि बाढ़ नियंत्रण के नाम पर मिलने वाले टेंडर और मरम्मत कार्यों में भारी वित्तीय अनियमितताएं होती हैं। कई बार मानसून से ठीक पहले आनन-फानन में मिट्टी और सैंडबैग लगाने का काम केवल कागजों पर या फिर बेहद कमजोर तरीके से किया जाता है, जो पानी के पहले बहाव में ही बह जाता है।

विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों के अनुसार, हर साल तटबंधों के टूटने के पीछे घटिया निर्माण सामग्री और रखरखाव में होने वाली लापरवाही इसकी मुख्य वजह है। हाल ही में सारण और सीतामढ़ी जैसे जिलों में बांध टूटने के बाद स्थानीय जनता द्वारा कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है। इतना ही नहीं बल्कि बाढ़ पीड़ितों को मिलने वाले नकद मुआवजे जैसे प्रति परिवार मिलने वाली नकद राशि और अनाज वितरण में भी जमीनी स्तर पर बिचौलियों और स्थानीय प्रशासन द्वारा धांधली की शिकायतें अक्सर सामने आती हैं।

सत्ता पक्ष यह कहकर अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करता है कि पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में अर्थात 2005 से पहले आपदा प्रबंधन के नाम पर भारी लूट होती थी, जिसे वर्तमान सरकार ने पूरी तरह से डिजिटल और पारदर्शी बनाकर सुधारा है। बहरहाल इन राजनैतिक आरोपों प्रत्यारोपों का भुगतान उस जनता को करना पड़ता है जोकि अपने घरों,खेतों व फसलों को तबाह व बर्बाद होते हुये देखने को मजबूर रहती है और शायद यह स्वीकार कर चुकी है कि बाढ़ का प्रकोप बिहार की नियति बन चुका है।

ये लेखिका के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

विश्व दृष्टि दिवस : छोटा स्क्रीन बड़ा खतरा

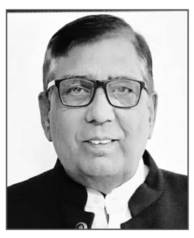

बाल मुकुन्द ओझा

अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि दिवस हर साल अक्टूबर माह के दूसरे गुरुवार को मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 8 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। इस दिवस की थीम लव योर आइज यानी अपनी आंखों का ख्याल रखे रखी गई है। इस दिवस की शुरूआत उन लोगों का समर्थन करने के महत्व को समझने के लिए की गई है जो ठीक से देख नहीं सकते। इस दिन का ध्यान विशेष रूप से इस बात पर केंद्रित है कि ऐसी स्थितियों में लोगों की सहायता के लिए क्या कुछ किया जा सकता है। दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोग ऐसे हैं जो ठीक से देख नहीं सकते हैं क्योंकि उनके पास चश्मे तक पहुँच की सुविधा नहीं है। इनमें से एक अरब लोग निवारण किये जा सकने योग्य दृष्टि दोष से पीड़ित हैं। भारत बहुत बड़ी आबादी वाला एक विशाल देश है। दुनिया में अंधी आबादी में इसका सबसे ज्यादा हिस्सा है अर्थात 15 मिलियन। दुनिया में हर तीन अंधे लोगों में से एक भारत से हैं। इन 15 मिलियन अंधे लोगों में से 3.5 मिलियन के आसपास मामलों में मुख्य कारक कॉर्नियल अँधापन है जो हर साल करीब 30,000 लोगों में अंधेपन को फैलाने के लिए जिम्मेदार है।

बच्चों का स्क्रीन टाइम कितना होना चाहिए और आंखों को सुरक्षित रखने के लिए माता-पिता किन बातों का ध्यान रखें। यह हम सब के लिए, जानना जरुरी है। आंखों की देखभाल बाल्यकाल से ही की जानी चाहिए।

किसी भी बच्चे की आंखों की पहली बार जांच पांच साल के होने तक हो जानी चाहिए। इस उम्र में अगर बच्चे की आंखों में किसी प्रकार की कोई परेशानी रहती है तो वह इसी अवस्था में ठीक हो जाती हैं। आज का युवा आंखों की समस्या से ज्यादा परेशान हैं क्योंकि वह अपना ज्यादतर समय कंप्यूटर, मोबाइल फोन, रंगीन टीवी, वीडियो गेम और टैबलेट पर बिताते हैं। उनकी यह बेपरवाही और लापरवाही उन्हें असमय आँखों का दुश्मन बना देती है और यह दंश उन्हें ताउम्र झेलना पड़ता है।

नेत्रों की महत्ता का पता हमें तब चलता है जब हम किसी नेत्रहीन व्यक्ति की क्रियाओं को देखते हैं। मार्ग पर चलना तो दूर, घर पर चलने-फिरनें में भी असुविधा होती है। नेत्रहीन व्यक्ति को हर समय किसी न किसी के सहारे की आवश्यकता होती है, उसका दैनिक जीवन भी मुश्किलों से भर जाता है। हमारे सभी धर्मों में दया, परोपकार, जैसी मानवीय भावनाएँ सिखाई जाती हैं । यदि हम अपने नेत्रदान करके मरणोपरांत किसी की सहायता कर सकें तो हम अपने धर्म का पालन करेंगे। नेत्रदान करने वाले व्यक्ति की मृत्यु के 6 से 8 घंटे के अंदर ही नेत्रदान कर देना चाहिए। जिस व्यक्ति को नेत्रदान के कॉर्निया का उपयोग करना है, उसे 24 घंटे के भीतर ही कॉर्निया प्रत्यारोपित कराना जरूरी होता है। नेत्रदान का मतलब शरीर से पूरी आंख निकालना नहीं होता।

इसमें मृत व्यक्ति की आखों के कॉर्निया का उपयोग किया जाता है। मृत्यु के बाद एक व्यक्ति चार लोगों को रोशनी दे सकता है। पहले दोनों आंखों से केवल दो ही कार्निया मिलती थी लेकिन अब नई तकनीक आने के बाद से एक आंख से दो कार्निया प्रत्यारोपित की जा रही हैं। डीमैक तकनीक से होने वाला यह प्रत्यारोपण शुरू हो गया है। खास बात यह है कि व्यक्ति के मरने पर उसकी पूरी आंख नहीं बदली जाती है केवल रोशनी वाली काली पुतली ही ली जाती है। दोनों कार्निया एक साथ नहीं बदली जाती है। मौत के छह घंटे तक ही कार्निया प्रयोग लायक रहती हैं। आँखों की कुछ बीमारियों के लक्षण तब तक दिखाई नहीं देते जब तक कि काफी नुकसान न हो जाए। इसीलिए नियमित जांच अनिवार्य है, वैकल्पिक नहीं। आँखों के स्वास्थ्य को बनाए रखना केवल एक व्यक्ति का नहीं कर्तव्य है, बल्कि यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। नेत्रदान द्वारा बड़ी संख्या में लोगों को लाभान्वित किया जा सकता हैं। मृत्यु के बाद किसी जरूरतमंद को अपनी आंखें देने की प्रक्रिया नेत्रदान कहलाती है। नेत्रदान महादान है, मनुष्य के जीवन में हर अंग का महत्व है, लेकिन दृष्टि के बिना जीवन का पूरा सुख नहीं मिलता। आंखें खुशी और दुख दोनों का भाव व्यक्त करती है। स्क्रीन टाइम ज्यादा होने का सबसे पहला असर बच्चों की आंखों की रोशनी पर पड़ रहा है। स्क्रीन को नजदीक और एकटक देखने से आंखें ड्राई होने लगती हैं यही हालात रहने पर आंखों की रोशनी कम होने लगती है।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सूडोकु नवताल- 7941

★★★★★ कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7940 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

दैनिक पंचांग

8 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	सिंह में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	06.39 बजे से
वृश्चिक	08.54 ब.से
धनु	11.10 बजे से
मकर	13.15 बजे से
कुंभ	15.02 बजे से
मीन	16.34 बजे से
मेष	18.05 बजे से
वृष	19.45 बजे से
मिथुन	21.43 बजे से
कर्क	23.57 बजे से
सिंह	02.13 बजे से
कन्या	04.25 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 281 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 22.17 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 21.20 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 00.59 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 10.44 बजे तदनन्तर वणिज 22.17 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 05° 48' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872856 **जूलियन दिन** 2461321.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 26 **विशेष** गुरु प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि, कलि युग दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

श्रीकृष्ण दर्शन को निकले भाई-बहन से पेनल्टी वसूली का आरोप!

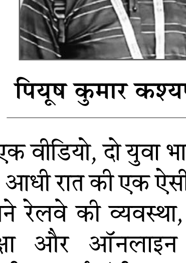

पियूष कुमार कश्यप

एक वीडियो, दो युवा भाई-बहन और आधी रात की एक ऐसी घटना, जिसने रेलवे की व्यवस्था, महिला सुरक्षा और ऑनलाइन टिकट प्रणाली पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यात्रा का उद्देश्य कोई मौज-मस्ती या सैर-सपाटा नहीं था। दो सगे भाई-बहन–18 वर्षीय उदय और 20 वर्षीय उपासना सिंह–लखनऊ से मथुरा श्रीकृष्ण और राधा रानी के दर्शन के लिए निकले थे। उनके पास ऑनलाइन बुक कराया गया ई-टिकट था।

यात्रा 6 अक्टूबर 2026 की रात 11:20 बजे लखनऊ से मथुरा के लिए 13237/पीएनबीई कोटा एक्सप्रेस से निर्धारित थी और मथुरा पहुंचने का समय 7 अक्टूबर की सुबह 6:35 बजे था। टिकट पर कुल भुगतान राशि 568 रुपये दर्ज है। लेकिन इसी यात्रा के दौरान रात करीब ढाई बजे का एक वीडियो सामने आया, जो इस पूरे प्रकरण को गंभीर बना देता है।

वीडियो लेखक के पास सुरक्षित इस वास्तविक वीडियो में कथित तौर पर टिकट जांच को लेकर यात्रियों और टीटीई के बीच बातचीत होती दिखाई देती है। वीडियो में टिकट जांच कर रहे टीटीई का नाम राजेश कुमार बताया गया है। बातचीत के दौरान यात्रियों की ओर से कथित रूप से यह सवाल भी उठता सुनाई देता है कि उनसे पैसे क्यों लिए जा रहे हैं और क्या यह किसी तरह की वसूली है। वीडियो में पुरुष यात्री द्वारा मौजूद पुलिसकर्मियों से उनका नाम और बैच पूछते हुए भी दिखाई देता है। यहां सबसे गंभीर प्रश्न समय को लेकर है। रात के लगभग 2:30 बजे। एक ट्रेन। दो युवा भाई-बहन। और उनमें से एक केवल 20 वर्ष की महिला। वीडियो में महिला यात्री के आसपास पुरुष पुलिसकर्मी खड़े दिखाई देते हैं। यदि वीडियो में दिखाई देने वाला दृश्य उसी समय का है, तो यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि इतनी रात में महिला यात्री की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए क्या कोई महिला सुरक्षा कर्मी वहां मौजूद थी? यदि नहीं, तो रेलवे और संबंधित सुरक्षा व्यवस्था के पास इसका क्या जवाब है?

वीडियो में महिला यात्री के हाथ में 500 रुपये के कुछ नोट भी दिखाई देते हैं। इन नोटों की मौजूदगी और बातचीत की पूरी परिस्थितियां अपने आप में कई सवाल खड़े करती हैं। हालांकि वीडियो के आधार पर किसी कर्मचारी पर रिश्वत लेने का अंतिम आरोप लगाना जांच का विषय होगा, लेकिन यदि कोई यात्री कैमरे पर यह कह रहा है कि उससे पैसे लिए जा रहे हैं, तो रेलवे के लिए इस शिकायत की निष्पक्ष जांच आवश्यक हो जाती है। इस पूरे मामले का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। टिकट ऑनलाइन बुक किया गया था। टिकट पर दोनों यात्रियों के नाम, उम्र, यात्रा का विवरण और भुगतान की राशि साफ दर्ज है। लेकिन टिकट की वर्तमान स्थिति आरएलडब्ल्यूएल/40 और आरएलडब्ल्यूएल/41 है। टिकट पर स्वयं स्पष्ट किया गया है कि पूरी तरह प्रतीक्षा सूची वाले ई-टिकट पर यात्री को ट्रेन में चढ़ने की अनुमति नहीं होती और ऐसे यात्री को टिकटविहीन माना जाता है।

यही तथ्य अब एक बड़ा सवाल खड़ा करता है–अगर रेलवे की व्यवस्था किसी ई-टिकट को यात्रा के लिए मान्य नहीं मानती, तो आम यात्री के लिए टिकट बुकिंग की प्रक्रिया इतनी जटिल क्यों है कि भुगतान करने के बाद भी उसे यह स्थिति स्पष्ट रूप से समझ नहीं आती? ऑनलाइन टिकट के लिए यात्री ने मूल किराए के अलावा सुविधा शुल्क और एजेंट सर्विस चार्ज भी दिया। इस टिकट पर 530 रुपये किराया, 17.70 रुपये सुविधा शुल्क और 20 रुपये एजेंट सर्विस चार्ज सहित कुल 568 रुपये का भुगतान दर्ज है। डिजिटल इंडिया के दौर में जब रेलवे यात्रियों को ऑनलाइन टिकट, मोबाइल सुविधा और डिजिटल भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराने की बात करता है, तब आम यात्री के सामने नियमों की यह जटिलता क्यों बनी हुई है? क्या टिकट बुक करते समय यात्री को इतनी स्पष्ट भाषा में नहीं बताया जाना चाहिए कि कौन-सी स्थिति में वह ट्रेन में यात्रा कर सकता है और कौन-सी स्थिति में नहीं?

और यदि किसी यात्री की टिकट स्थिति यात्रा के समय तक पूरी तरह प्रतीक्षा सूची में ही रहती है, तो उसके सामने रात के बीच यात्रा को लेकर क्या सुरक्षित और व्यावहारिक विकल्प रहता है?

यह सवाल और भी गंभीर तब हो जाता है जब यात्री दो युवा भाई-बहन हों और यात्रा का उद्देश्य धार्मिक दर्शन हो। यह भी स्पष्ट है कि दोनों यात्री अलग-अलग उम्र के होते हुए भी एक ही परिवार के भाई-बहन हैं। इसलिए किसी भी बाहरी व्यक्ति द्वारा उनके संबंध या यात्रा के उद्देश्य को लेकर अनावश्यक संदेह करना उचित नहीं होगा। लेकिन यदि आधी रात को टिकट विवाद के बीच महिला यात्री को अगले स्टेशन पर उतारने जैसी बात कही गई हो, तो रेलवे को यह भी बताना होगा कि ऐसी स्थिति में उस महिला की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी होती? क्या किसी महिला यात्री को रात के अंधेरे में केवल टिकट विवाद के कारण अगले स्टेशन पर उतार देना पर्याप्त समाधान है? या रेलवे को पहले यह सुनिश्चित करना चाहिए कि महिला यात्री सुरक्षित रहे, उसके साथ महिला सुरक्षा कर्मी उपलब्ध हों और पूरे प्रकरण की पारदर्शी प्रक्रिया के तहत जांच हो?

यह मामला केवल दो यात्रियों का नहीं है। यह उस व्यवस्था का सवाल है जिसमें एक ओर रेलवे यात्रियों को ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराता है और दूसरी ओर वही यात्री टिकट की स्थिति, नियमों और जांच प्रक्रिया के बीच उलझ जाता है। इस घटना का पूरा वीडियो वीडियो लेखक के पास सुरक्षित है। यदि वीडियो में दिखाई देने वाली घटनाएं वास्तविक हैं, तो संबंधित रेलवे अधिकारियों को वीडियो, टिकट, टिकट जांच की प्रक्रिया और उस समय ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। रेलवे देश की जीवनरेखा है। यात्रियों से केवल टिकट खरीदने की अपेक्षा नहीं, बल्कि सम्मान, पारदर्शिता और सुरक्षा की भी अपेक्षा होती है। इसलिए सवाल सीधा है–ऑनलाइन टिकट प्रणाली आखिर यात्री की सुविधा के लिए है या उसे नियमों के जाल में उलझाने के लिए?और सबसे बड़ा सवाल– रात के ढाई बजे, एक 20 वर्षीय महिला यात्री की सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर किसकी थी? इन सवालों का जवाब केवल उदय और उपासना को नहीं, बल्कि उन लाखों यात्रियों को चाहिए जो हर दिन रेलवे की ऑनलाइन व्यवस्था पर भरोसा कर-के यात्रा करते हैं।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

आज का राशिफल

मेष- कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पहुंचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है।

वृष- यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन- शनै-शनै स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी।

कर्क- मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे।

सिंह- कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ।

कन्या- अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी।

तुला- कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

वृश्चिक- अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने. के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे।

धनु- धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी।

मकर- परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

कुंभ- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। मित्र से मिलन होगा।

मीन- भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

पं0 सुभाष पाण्डेयः हस्तरेखा विशेषज्ञ, मो. 8808052918

अंतिम व्यक्ति का उत्थान व सर्वसमावेशी विकास ही हमारी प्रतिबद्धता: राजस्व मंत्री

मोहला-मानपुर में मंत्री टंक राम वर्मा ने जाना योजनाओं का जमीनी असर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक पहुँचकर आम जनता के जीवन में अभूतपूर्व सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। सुशासन और पारदर्शी प्रशासन की इसी कड़ी में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंक राम वर्मा ने आज बुधवार सुबह जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के बीच पहुँचकर जमीनी स्तर पर शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और हितग्राहियों से सीधा संवाद कर उनके जीवन में आए बदलावों की जानकारी ली।

मंत्री वर्मा ने भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत माड़िंग पिड़िंग भूर्सा जनपद पंचायत मोहला में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने योजना के लाभार्थी इन्द्र कुमार पिता मदन लाल के निमार्णाधीन घर का अवलोकन किया, वर्ष 2025-26 के तहत स्वीकृत इस पक्के आवास हेतु 1 लाख 20 हजार रुपये की राशि प्रदान की जा रही है, साथ ही परिवार को 90 दिनों का मनरेगा रोजगार भी उपलब्ध कराया जा रहा है। लाभार्थी परिवार की हेमेश्वरी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार की विकासपरक नीतियों के प्रति गहरा आभार जताया। उन्होंने बताया कि सरकार की एकीकृत कल्याणकारी सोच से उनके परिवार की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है।

हेमेश्वरी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना से हमें न केवल सुरक्षित और पक्का घर मिला है, बल्कि इसके साथ उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस कनेक्शन मिलने से धुएँ से मुक्ति मिली है। जल जीवन मिशन (नल-जल योजना) के माध्यम से अब हमारे घर के भीतर ही स्वच्छ पेयजल आसानी से उपलब्ध हो रहा है। इसके अलावा, राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'महतारी वंदन योजना' से हर महीने मिलने वाली वित्तीय सहायता महिलाओं के स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का बड़ा आधार बन चुकी है। इस राशि का उपयोग हम घर की आवश्यक दैनिक जरूरतों और बच्चों की देखभाल में सहूलियत के साथ कर पा रहे हैं। हितग्राहियों के सुखद अनुभवों को सुनकर राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मूलमंत्र पर कार्य कर रही है।

हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का प्रकाश पहुँचाना है। जब एक ग्रामीण परिवार को अपना पक्का मकान मिलता है, बहन-बेटियों को रसोई गैस और घर पर ही शुद्ध जल की सुविधा मिलती है, तथा महतारी वंदन योजना के माध्यम से मातृशक्ति का आर्थिक सशक्तिकरण होता है, तब सही मायनों में रामराज्य और सुशासन की संकल्पना साकार होती है। राज्य सरकार हर पात्र नागरिक को उसका हक और सम्मान दिलाने के लिए पूर्ण पारदर्शिता तथा संवेदनशीलता के साथ निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारी तथा ग्रामीणों की मौजूदगी रही।

छत्तीसगढ़ में निवेश से बढ़ेगा रोजगार : भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने राज्य सरकार की संवेदनशीलता की सराहना करते हुए विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ में निवेश से विकास और रोजगार का मार्ग खुलेगा।श्री पाण्डेय ने मंगलवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रदेश में आ रहे औद्योगिक निवेश, विकास योजनाओं और राज्य में बाढ़ आपदा प्रबंधन को लेकर अपनी बात रखी विपक्ष के अनर्गल प्रलाप पर निशाना साधा।

भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि प्रदेश के लिए बड़े निवेश प्रस्ताव पारित हो रहे हैं। श्री पाण्डेय ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से पहले भी और अब भी छत्तीसगढ़ के लिए बड़े पैमाने पर निवेश लाया जा रहा है। इन निवेशों से प्रदेश का चहुँमुखी विकास होगा तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता पाण्डेय ने बाढ़ प्रबंधन को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर कहा कि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत को पहले अपने प्रदेश की स्थिति सम्भालनी चाहिए। श्री पाण्डेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सुशासन स्थापित है और साय सरकार आपदा-प्रबंधन को लेकर पूरी तरह संवेदनशील और सतर्क है। शासन-प्रशासन के सभी अधिकारी और कर्मचारी पूरी मुस्तैदी से राहत व बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं। स्वयं मुख्यमंत्री श्री साय ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया और जनता को राहत पहुँचाने के लिए कई अहम निर्णय लिए हैं, जिसे छत्तीसगढ़ की जनता भली-भाँति जानती है।

संक्षिप्त समाचार

लापरवाही पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 3 रोजगार सहायक बर्खास्त

बलौदाबाजार। विकसित भारतझ्गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन(वीबी -जी राम जी)के प्रभावी क्रियान्वयन तथा ग्राम पंचायत स्तर पर सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने वाले ग्राम रोजगार सहायकों के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा कड़ी कार्रवाई करते हुए 3 ग्राम रोजगार सहायकों की सेवा समाप्त की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनपद पंचायत बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी के ग्राम रोजगार सहायक रामकुमार यादव, जनपद पंचायत कसडोल अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनाखान के ग्राम रोजगार सहायक अर्जुन सिंह ठाकुर तथा जनपद पंचायत पलारी अंतर्गत ग्राम पंचायत बिजरडीह के ग्राम रोजगार सहायक महेंद्र कोसले को उनके दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही के कारण सेवा से पृथक किया गया है।जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि वीबी -जी राम जी के अंतर्गत रोजगार सृजन, श्रमिक नियोजन, स्वीकृत कार्यों का समयबद्ध क्रियान्वयन, अभिलेखों का संधारण एवं शासन के निदेर्शों का पालन ग्राम स्तर पर पदस्थ संबंधित अमले की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इन दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही, अनियमितता अथवा शासकीय निदेर्शों की अवहेलना पाए जाने पर नियमानुसार कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी में 4 वर्षीय बच्ची के अपहरण की सूचना से हड़कंप मच गया। सरस्वती नगर थाना क्षेत्र से बच्ची के लापता होने की शिकायत मिलते ही रायपुर पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर बच्ची को महाराष्ट्र से सकुशल बरामद कर लिया। मामले में अमृत पाल सिंह (32) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, बच्ची के परिजनों ने 5 अक्टूबर को सरस्वती नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि अमृत पाल सिंह उनकी 4 वर्षीय बेटी को अपने साथ ले गया है। शिकायत के बाद पुलिस ने तत्काल टीमें सक्रिय कर बच्ची और संदिग्ध की तलाश शुरू की जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के महाराष्ट्र की ओर जाने की जानकारी मिली। इसके बाद रायपुर पुलिस की टीम महाराष्ट्र पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से साकोली व मौदा क्षेत्र में तलाश शुरू की गई। पुलिस ने मौदा टोल प्लाजा के पास घेराबंदी कर आरोपी को बच्ची के साथ पकड़ लिया। बच्ची को सकुशल बरामद करने के बाद पुलिस उसे रायपुर लेकर आई। आरोपी अमृत पाल सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने बच्ची को सकुशल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन अपहरण के पीछे की वजह और आरोपी की मंशा फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन आज व कल

रायपुर। बस्तर में पहली बार राष्ट्रीय स्तर का सहकारिता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन 8 और 9 अक्टूबर को जगदलपुर में होगा। इसमें देशभर से सहकारिता क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

सम्मेलन के दौरान बस्तर और छत्तीसगढ़ के स्थानीय सहकारिता मॉडलों की समीक्षा के साथ-साथ 'सहकार से समृद्धि' के राष्ट्रीय रोडमैप को अंतिम रूप दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन से प्राप्त अधिकृत जानकारी के अनुसार आशीष कुमार भूतानी ,सचिव, सहकारिता विभाग, भारत सरकार इस दो दिवसीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम में पंकज बंसल, अतिरिक्त सचिव और प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम सिद्धार्थ जैन, अतिरिक्त सचिव, भारत सरकार, डॉ. सी.आर. प्रसन्ना- सहकारिता सचिव, छत्तीसगढ़ शासन भी शामिल होंगे ।

सम्मेलन में 15 राज्यों के सचिव और 14 राज्यों के पंजीयक हिस्सा लेंगे। इस दौरान 'सहकार से समृद्धि' की कार्ययोजना पर चर्चा होगी। साथ ही एम-पैक्स, डिजिटल सहकारिता, सहकारी बैंकिंग और भंडारण से जुड़े मुद्दों पर भी मंथन किया जाएगा।

इस सम्मेलन में प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में हुए काम और उपलब्धियों की जानकारी साझा करेगा। प्रदेश में अब तक 515 नए एम-पैक्स का गठन किया गया है। इसके अलावा 3.18 लाख नए किसानों के सहकारी बैंक खाते खोले गए हैं। राज्य के 2,058 एम-पैक्स में माइक्रो एटीएम की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इन माइक्रो एटीएम के जरिए अब तक 324 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन किया जा चुका है। दो दिवसीय सम्मेलन में किसानों को सहकारी व्यवस्था से जोड़ने, ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाएं बढ़ाने और सहकारी संस्थाओं को डिजिटल बनाने पर चर्चा होगी। अलग-अलग राज्यों के अधिकारी अपने अनुभव और योजनाओं की जानकारी भी साझा करेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करना और इसके जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।

समस्त ग्राम पंचायतों में आयोजित हुआ रोजगार दिवस व चावल उत्सव

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार पोयाम के मार्गदर्शन में आज बुधवार को जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत आज रोजगार दिवस, आवास दिवस एवं चावल उत्सव का आयोजन किया गया।

इस दौरान ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा ग्राम विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई।

रोजगार दिवस के अवसर पर विकसित ग्राम पंचायत प्लान तैयार करने में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की भागीदारी के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। ग्रामीणों को ग्राम पंचायत के विकास की प्राथमिकताओं के निर्धारण एवं योजना निर्माण में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया गया। ग्राम पंचायतों में लगाए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर योजनाओं एवं विकास कार्यों से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए ग्रामीणों को जागरूक एवं प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही विकसित भारत जी राम जी योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में 375 अनुमेय कार्यों के माध्यम से अधोसंरचना विकास एवं रोजगार सृजन की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

रोजगार दिवस में ग्राम पंचायतों में स्वीकृत विभिन्न कार्यों की जानकारी ग्रामीणों के समक्ष प्रस्तुत की गई तथा स्वीकृत कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कर अधिक से अधिक ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। साथ ही कार्यस्थल पर श्रमिकों की सहभागिता एवं रोजगार के अवसरों की जानकारी भी दी गई। आवास दिवस के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई तथा हितग्राहियों को अपने आवासों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। वहीं चावल उत्सव के माध्यम से ग्रामीणों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्न वितरण एवं संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ ग्राम स्तर पर विकास कार्यों, रोजगार सृजन, आवास निर्माण और जनभागीदारी को गति प्रदान करना रहा।

कलिंगा कंपनी के डंपर में लगी भीषण आग

दो करोड़ का वाहन जलकर खाक; चालक ने कूदकर बचाई जान

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एसईसीएल दीपका कोयला खदान के भीतर बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। खदान में काम कर रहे कलिंगा कंपनी के एक डंपर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया और करीब दो करोड़ रुपये कीमत का डंपर कुछ ही मिनटों में पूरी तरह जलकर खाक हो गया। राहत की बात यह रही कि हादसे के दौरान चालक ने समय रहते डंपर से बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

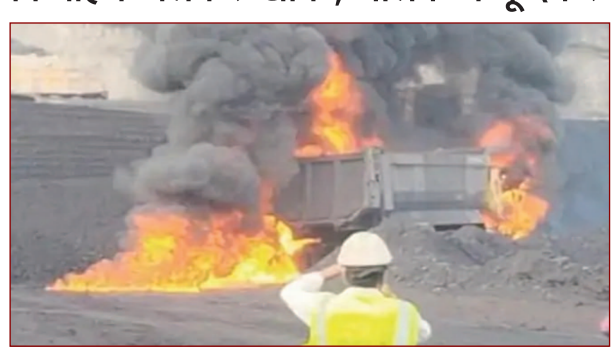

जानकारी के मुताबिक, कलिंगा कंपनी का डंपर एसईसीएल दीपका कोयला खदान के भीतर काम कर रहा था। इसी दौरान इंजन के पास अचानक चिंगारी उठी और देखते ही देखते आग भड़क गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही समय में डंपर का पूरा केबिन आग की चपेट में आ गया। चालक ने स्थिति को भांपते हुए तत्काल वाहन से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई।

आग लगने की सूचना मिलते ही खदान में मौजूद कर्मचारियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग की लपटें तेज होने के कारण उन्हें सफलता नहीं मिल सकी। कुछ ही मिनटों में डंपर पूरी तरह जल गया। घटना के बाद खदान क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और कर्मचारियों ने कंपनी की सुरक्षा व्यवस्था और वाहनों के मेंटेनेंस को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि कलिंगा कंपनी में पहले भी वाहनों से जुड़े हादसे सामने आते रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि खदान में भारी मशीनरी और डंपरों का संचालन होता है, ऐसे में वाहनों की नियमित जांच और बेहतर मेंटेनेंस बेहद जरूरी है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इससे पहले भी कंपनी के वाहनों में आग लगने और दुर्घटनाओं की घटनाएं हो चुकी हैं। आरोप लगाया गया है कि कई मामलों में शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी को वजह बताकर मामला खत्म कर दिया जाता है। कर्मचारियों ने वाहनों की तकनीकी जांच, नियमित मेंटेनेंस और सुरक्षा मानकों के पालन की मांग की है।

घटना की सूचना एसईसीएल और कलिंगा कंपनी के अधिकारियों को दे दी गई है। फिलहाल डंपर में आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर इंजन के पास से चिंगारी उठने की बात सामने आई है, हालांकि आग लगने की सही वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

स्व-सहायता समूह की दीदियों के हुनर को मिला बाजार, कलेक्ट्रेट में सजा स्थानीय उत्पादों का स्टॉल

बीजापुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और उनके उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला कलेक्ट्रेट परिसर में स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार स्थानीय उत्पादों का आकर्षक स्टॉल लगाया गया। स्टॉल में महिलाओं ने स्थानीय संसाधनों और अपने कौशल से तैयार विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन किया।

कलेक्ट्रेट पहुंचने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों ने स्टॉल का अवलोकन कर महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की सराहना की। इस पहल से समूह की महिलाओं को अपने उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने और बिक्री के नए अवसर तलाशने का मंच मिला। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अब बचत और ऋण गतिविधियों के साथ विभिन्न आजीविकामूलक कार्यों से जुड़कर उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। कलेक्ट्रेट परिसर में लगाए गए स्टॉल के माध्यम से उन्हें अपने उत्पाद प्रदर्शित करने, ग्राहकों से सीधे संवाद करने और बाजार की मांग को समझने का अवसर मिला। स्थानीय संसाधनों, पारंपरिक ज्ञान और महिलाओं के कौशल से तैयार उत्पादों को शासकीय कार्यालयों, स्थानीय आयोजनों, मेलों और सार्वजनिक मंचों पर प्रदर्शित करने से उनकी पहचान और बिक्री की संभावनाएं बढ़ रही हैं। इससे उपभोक्ताओं को भी स्थानीय स्तर पर तैयार गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की जानकारी मिल रही है। जिला प्रशासन की ओर से ऐसे प्रयासों के माध्यम से स्व-सहायता समूह की महिलाओं को स्वरोजगार और आजीविका के अधिक अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

रेरा का महत्वपूर्ण आदेश, प्लॉट का कब्जा नहीं देने पर प्रमोटर लौटाएगा 33.70 लाख रुपये

रायपुर। छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (सीजी रेरा) ने आबंटी के हितों की सुरक्षा से जुड़े बुधवार को एक महत्वपूर्ण प्रकरण में आदेश पारित करते हुए प्रमोटर वत्सल्य डेवलपर्स, सेजबहार, रायपुर को प्लॉट की बुकिंग के लिए आबंटी द्वारा जमा की गई राशि ब्याज सहित वापस करने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण ने प्रमोटर को 15 लाख 9 हजार 300 रुपये की मूल राशि तथा 18 लाख 60 हजार 956 रुपये ब्याज सहित कुल 33 लाख 70 हजार 256 रुपये आबंटी को भुगतान करने का आदेश दिया है।

प्रकरण के अनुसार आबंटी ने वर्ष 2012 में प्रमोटर के साथ अनुबंध कर एक आवासीय प्लॉट बुक किया था। अनुबंध की शर्तों के अनुसार आबंटी द्वारा वर्ष 2012 से 2015 के बीच प्लॉट के लिए कुल 15 लाख 9 हजार 300 रुपये की राशि प्रमोटर को अदा की गई थी। निर्धारित राशि का भुगतान किए जाने के बावजूद प्रमोटर द्वारा आबंटी को प्लॉट का कब्जा प्रदान नहीं किया गया। प्रकरण में यह भी सामने आया कि प्रमोटर द्वारा आबंटी की बुकिंग बिना किसी पूर्व सूचना के निरस्त कर दी गई थी। राशि का भुगतान करने के बाद भी प्लॉट का कब्जा नहीं मिलने और बुकिंग निरस्त किए जाने पर आबंटी ने अपने हितों की रक्षा तथा जमा राशि की वापसी के लिए सीजी रेरा के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया।

प्राधिकरण ने प्रकरण में प्रस्तुत दस्तावेजों एवं उपलब्ध अभिलेखों का परीक्षण करने के बाद आबंटी के पक्ष में आदेश पारित किया। इसके तहत प्रमोटर को आबंटी द्वारा जमा की गई 15 लाख 9 हजार 300 रुपये की मूल राशि के साथ 18 लाख 60 हजार 956 रुपये ब्याज का भुगतान करने के निर्देश दिए गए हैं। इस प्रकार आबंटी को कुल 33 लाख 70 हजार 256 रुपये वापस किए जाएंगे।

प्राधिकरण का यह आदेश रेखांकित करता है कि रियल एस्टेट परियोजनाओं में प्रमोटरों के लिए आबंटियों के साथ किए गए अनुबंधों और वैधानिक दायित्वों का पालन करना आवश्यक है। निर्धारित राशि का भुगतान किए जाने के बावजूद परियोजना से संबंधित दायित्वों का निर्वहन नहीं होने अथवा आबंटी के हितों के प्रतिकूल कार्रवाई की स्थिति में आबंटी विधि के अनुरूप राहत प्राप्त करने का अधिकारी है।

राज्य सरकार की सख्त कार्रवाई: ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी तीन साल के लिए ब्लैकलिस्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने शासकीय हेलीकॉप्टर के बीमा दावे के निराकरण में चार साल से अधिक समय तक हुई देरी के मामले में कड़ा कदम उठाते हुए द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को तीन वर्ष के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया है।

विमानन संचालनालय ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए कंपनी के विरुद्ध यह कार्रवाई की है। मामला मई 2022 में रायपुर एयरपोर्ट पर दुर्घटनाग्रस्त हुए राज्य शासन के हेलीकॉप्टर से संबंधित है। राज्य शासन द्वारा हेलीकॉप्टर का बीमा ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी से कराया गया था और निर्धारित बीमा प्रीमियम का पूर्ण भुगतान किया गया था। दुर्घटना के बाद राज्य शासन की ओर से बीमा दावा प्रस्तुत किया गया, लेकिन कंपनी द्वारा इस दावे को चार वर्ष से अधिक समय तक लंबित रखा गया और अंततः अगस्त 2026 में इसे अस्वीकार कर दिया गया।

विमानन संचालनालय ने पूरे प्रकरण के परीक्षण में पाया कि सार्वजनिक संपत्ति से जुड़े बीमा दावे के निराकरण में अत्यधिक विलंब हुआ और राज्य शासन के प्रकरण के निपटारे में कंपनी का रवैया असंगत रहा। शासन ने इसे सार्वजनिक धन और शासकीय हित से जुड़ा गंभीर विषय मानते हुए कार्रवाई की है।

अधिकारियों के अनुसार, शासकीय हेलीकॉप्टर सार्वजनिक संपत्ति है, जिसकी खरीदी और बीमा में जनता का पैसा लगा है। ऐसी स्थिति में बीमा दावे को वर्षों तक लंबित रखने का आर्थिक प्रभाव अंततः सार्वजनिक संसाधनों पर पड़ता है। शासन का स्पष्ट मत है कि सरकार के साथ कार्य करने वाली प्रत्येक सेवा प्रदाता संस्था को अपनी संविदात्मक जिम्मेदारियों और प्रतिबद्धताओं का समयबद्ध रूप से पालन करना होगा। राज्य शासन ने इस मामले में प्राकृतिक न्याय और निर्धारित प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित किया। ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। कंपनी ने अपना लिखित जवाब प्रस्तुत किया और उसे व्यक्तिगत सुनवाई का भी अवसर दिया गया। कंपनी का पक्ष सुनने और उपलब्ध तथ्यों एवं अभिलेखों का परीक्षण करने के बाद विमानन संचालनालय ने कारणों सहित आदेश पारित करते हुए कंपनी को तीन वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट करने का निर्णय लिया। अधिकारियों ने कहा कि शासन के साथ काम करने वाले प्रत्येक सेवा प्रदाता के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन आवश्यक है। सार्वजनिक दावों के निपटारे में अनावश्यक विलंब को सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया मानकर नहीं छोड़ा जा सकता, क्योंकि इससे न केवल शासन के वित्तीय हित प्रभावित होते हैं, ,बल्कि सेवा व्यवस्था के प्रति विश्वास भी कमजोर होता है। कंपनी को ब्लैकलिस्ट किए जाने के साथ ही बीमा दावे का मामला समाप्त नहीं हुआ है। राज्य शासन अपने दावे की राशि प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्रवाई आगे भी जारी रखेगा। अधिकारियों ने कहा कि सार्वजनिक धन की सुरक्षा शासन की जिम्मेदारी है और राज्य को देय राशि की वसूली के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। राज्य शासन की इस कार्रवाई से यह स्पष्ट किया गया है कि सार्वजनिक संपत्ति, शासकीय धन और राज्य के वित्तीय हितों से जुड़े मामलों में जवाबदेही सर्वोपरि है। शासन के साथ कार्य करने वाली संस्थाओं से समयबद्ध, पारदर्शी और उत्तरदायी सेवा की अपेक्षा की जाती है तथा सार्वजनिक हित प्रभावित होने की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में 14 लाख की बच्चों की छात्रवृत्ति अटकी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में बायोमेट्रिक अपडेट न होने से सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की छात्रवृत्रि लाखों छात्रों की स्कॉलरशिप रोक दी गई है। इस लापरवाही को लेकर जिला कलेक्टर ने सभी बीईओ को नोटिस जारी कर दिया है। खराब प्रगति को देखते हुए कबीरधाम कलेक्टर ने मामले का संज्ञान लिया है। उन्होंने जिले के सभी ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। शिक्षा विभाग का कहना है कि स्थिति सुधारने के लिए अलग-अलग स्कूलों में विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। हालांकि, ग्रामीण और मैदानी क्षेत्रों के कई स्कूलों में अब तक शिविर नहीं लगाए जाने की बात सामने आई है। जिले के चारों ब्लॉकों में रूक्क की स्थिति चिंताजनक बताई गई है। आंकड़ों के मुताबिक पंडरिया में 4,408 बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट लंबित है। इसके बाद कवर्धा में 2,733, बोड़ला में 2,538 और सहसपुर लोहारा में 1,842 बच्चों का केवायसी पूरा नहीं हुआ है। इनमें 5 से 15 वर्ष की उम्र के 8,317 बच्चे और 15 वर्ष से अधिक उम्र के 3,204 छात्र शामिल हैं। जिले में 20 हजार से अधिक ऐसे बच्चे भी चिन्हित किए गए हैं, जिनका अब तक आधार बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन या ई-केवाईसी नहीं हुआ है।

स्वामी, तरुणमित्र मीडिया प्रा. लिमिटेड, प्रकाशक : योगेन्द्र विश्वकर्मा द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11- प्रेस काम्प्लेक्स जोन-1 एमपी भोपाल से मुद्रित व एमपी-1 से प्रकाशित संपादक : योगेन्द्र विश्वकर्मा, स्थानीय संपादक- आर पी सिंह Mobile-91-9893982060, Email-mptmnp@gmail.com, website. www.tarunmitra.in RNI NO-MPHIN/2021/79825* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के तहत उत्तरदायी। समस्त विवाद भोपाल न्यायालय के अधीन होंगे।

बांदा में गूंजा 'जनसेवा से राष्ट्रसेवा' का संदेश

भव्य सेवा ज्योति यात्रा एवं विकसित भारत संकल्प सभा में उमड़ा जनसैलाब

बांदा, 07 अक्टूबर (तरुणमित्र)। जनपद बांदा में बुधवार को सेवा ज्योति यात्रा एवं विकसित भारत संकल्प सभा का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रसेवा, जनसेवा और विकसित भारत-2047 के संकल्प का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह जी रहे। सेवा ज्योति यात्रा एवं विकसित भारत संकल्प सभा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, युवा कार्यकताओं एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री श्रीमती किरण निषाद, सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी जी एवं नरैनी विधायक श्रीमती ओममणि वर्मा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत ने की तथा संयोजन भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजभवन उपाध्याय द्वारा किया गया।कार्यक्रम स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया। विद्यालय के बच्चों द्वारा 25 वर्ष जनसेवा से राष्ट्रसेवा विषय पर बनाई गई आकर्षक रंगोलियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक रूप से वंदे मातरम् के गायन के साथ हुआ। उपस्थित जनसमूह ने एक साथ खड़े होकर

राष्ट्रगीत का गायन किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने वर्चुअल माध्यम से जनसभा को संबोधित किया। इसके पश्चात देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को विकसित भारत-2047 के निर्माण का सामूहिक संकल्प दिलाया। उपस्थित लोगों ने भारत को विकसित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त राष्ट्र बनाने के संकल्प को दोहराया।मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह जी एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा विकसित भारत संकल्प सेवा चौक पर स्थापित सेवा ज्योति कलश का अनावरण किया गया।अतिथियों द्वारा सेवा ज्योति रथ पर स्थापित सेवा ज्योति कलश एवं मशालों को प्रज्वलित कर सेवा ज्योति यात्रा का शुभारंभ किया गया।विशाल सेवा ज्योति बाइक यात्रा में शामिल हजारों बाइकों ने नगर के प्रमुख चौराहों एवं मुख्य बाजारों से होकर पूरे शहर में राष्ट्रसेवा, जनसेवा एवं विकसित भारत का संदेश पहुंचाया। यात्रा में भाजपा पदाधिकारियों, युवा मोर्चा के कार्यकताओं एवं पार्टी कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

दो महीने से खुदी सड़क बनी मुसीबत,हर घर जल योजना के बाद राहगीरों की राह बंद

ललितपुर, 07 अक्टूबर (तरुणमित्र)। हर घर जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़क की मरम्मत न होने से बिहारी राशन के पास रामअवतार के घर के सामने रहने वाले लोगों की परेशानी बढ़ गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक करीब दो से तीन माह पहले सड़क खोदी गई थी। काम पूरा होने के बाद भी सड़क को दुरुस्त नहीं कराया गया, जिससे रास्ता गड्ढों और मिट्टी से उबड़-खाबड़ हो गया है।

सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खराब रास्ते पर बच्चे कई बार फिसलकर गिर चुके हैं। वहीं दोपहिया और चारपहिया वाहनों को भी संकरे व उबड़-खाबड़ रास्ते से

निकालने में दिक्कत होती है। स्थानीय लोगों के अनुसार पाइपलाइन का काम कराने वाले ठेकेदार ने सड़क को दो दिन के भीतर ठीक कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन दो महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी सड़क की हालत जस की तस है। रामअवतार के घर के सामने रास्ता खराब होने से परिवार और आसपास के लोगों को घर तक पहुंचने में भी परेशानी हो रही है। पाइपलाइन बिछाने के दौरान नाली की पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिया की मरम्मत न होने से नाली के पानी की निकासी प्रभावित है और कई बार पानी घरों के दरवाजे के आसपास जमा हो जाता है। इससे गंदगी और दुर्गंध की समस्या भी बनी रहती है।

स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मौके का निरीक्षण कराकर सड़क को तत्काल समतल कराने तथा टूटी नाली की पुलिया की मरम्मत कर जल निकासी सुचारु कराने की मांग की है।

सघन जागरूकता रैली का आयोजन, विद्यार्थियों को एचआईवी व टीबी से बचाव की दी जानकारी

महोबा, 07 अक्टूबर (तरुणमित्र)। आशा ग्रामोत्थान संस्थान, महोबा के तत्वावधान में मुकुंद लाल इंटर कॉलेज में सघन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को HIV/AIDS, टीबी, सिफिलिस तथा अन्य यौन संचारित संक्रमणों (STI) के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच एवं उपचार के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम जिला क्षय रोग अधिकारी (DTO) श्री एस.के. वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। रैली में जिला चिकित्सालय की टीम तथा TIP कार्यक्रम से जुड़े कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। इस दौरान HIV सुपरवाइजर तहसीम, लैब टेक्नीशियन अब्दुल करीम, काउंसलर रेखा पांडे, नीलम विश्वकर्मा, अंजना नामदेव, TIP ढट शैलेन्द्र सिंह, M&E देवेंद्र कुमार, ORW मनीष एवं संगीता साहू सहित आशा ग्रामोत्थान संस्थान की टीम मौजूद रही। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने जागरूकता संबंधी नारे लगाए। उन्हें HIV/AIDS से बचाव, सुरक्षित व्यवहार, जांच एवं उपचार तथा टीबी और STI के लक्षणों व बचाव की जानकारी दी गई। साथ ही HIV संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव न करने और भ्रांतियों से दूर रहने का संदेश दिया गया। आयोजकों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा जागरूक समाज के निर्माण में सहभागिता का आह्वान किया।

लगातार पांचवीं बार राज्य महिला आयोग की सदस्य बनने पर अंजू प्रजापति का भव्य स्वागत

फतेहपुर, 07 अक्टूबर (तरुणमित्र)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य एवं दर्जा प्राप्त मंत्री अंजू प्रजापति के लगातार पांचवीं बार राज्य महिला आयोग की सदस्य बनाए जाने के बाद जनपद के प्रथम आगमन पर समर्थकों एवं सामाजिक संगठनों ने जगह-जगह उनका फूल-मालाओं से स्वागत एवं अभिनंदन किया। स्वागत का सिलसिला फतेहपुर बॉर्डर स्थित असनी पुल से शुरू हुआ। यहां मानवाधिकार एवं उपभोक्ता फोरम, जनपद फतेहपुर की टीम सहित समर्थकों ने पहुंचकर अंजू प्रजापति का स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इसके बाद लखनऊ बाईपास पर बड़ी संख्या में समर्थकों ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया।

डीएम ने कुछेक्षा में तिल की फसल के क्रॉप कटिंग का किया स्थलीय निरीक्षण

हमीरपुर, 07 अक्टूबर (तरुणमित्र)। जिलाधिकारी अशोक कुमार ने ग्राम कुछेक्षा पहुंचकर तिल की फसल के क्रॉप कटिंग (फसल कटाई प्रयोग) का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान रैंडम आधार पर चयनित कृषक सुनील गुप्ता के गाटा/प्लाट संख्या 142 में निर्धारित मानकों के अनुसार नाप-जोख कराते हुए क्रॉप कटिंग की प्रक्रिया संपन्न कराई गई।

निरीक्षण के दौरान निर्धारित मानक के अनुसार तिल की फसल की कटाई कराकर फलियों की तौल कराई गई। तौल में कुल 5 किलो 100 ग्राम फलियों का वजन प्राप्त हुआ। सांख्यिकी विभाग की टीम एवं संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में किए गए इस फसल कटाई प्रयोग के आधार पर प्राप्त उपज का आकलन

किया गया।जिलाधिकारी ने बताया कि क्रॉप कटिंग प्रयोग का मुख्य उद्देश्य फसल उत्पादन का सटीक एवं वैज्ञानिक आकलन करना है। प्राप्त उत्पादन के आंकड़ों के आधार पर फसल की औसत उपज का निर्धारण किया जाता है। यदि औसत उत्पादन राज्य अथवा देश के औसत उत्पादन से कम रहता है, तो उसके आधार पर किसानों को सामूहिक फसल बीमा का लाभ प्रदान किया जाता है। साथ ही क्रॉप कटिंग से प्राप्त आंकड़े भविष्य में किसानों के हित में कल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण में भी सहायक होते हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं राजस्व कर्मियों को निर्देश दिए कि क्रॉप कटिंग के सभी कार्य निर्धारित मानकों एवं नियमानुसार पारदर्शिता के साथ संपन्न किए जाएं तथा फसल उत्पादन से संबंधित आंकड़ों के संकलन में पूरी शुद्धता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित की जाए।

विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा का हुआ आयोजन

हमीरपुर, 07 अक्टूबर (तरुणमित्र)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद ने की। इस दौरान हमीरपुर के अंबेडकर पार्क में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का लाइव प्रसारण कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों द्वारा देखा गया।कार्यक्रम के दौरान स्टेडियम में छात्राओं द्वारा बनाई गई आकर्षक रंगोलियों का अतिथियों एवं पार्टी पदाधिकारियों ने अवलोकन किया। रंगोलियों के माध्यम से विकसित भारत की परिकल्पना, देश की उपलब्धियों एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को सुंदर ढंग से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला आयोग की उपाध्यक्ष कमलावती रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों तथा प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के कार्यकाल की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

फाइलों में सिमट कर रह गए सड़क सुरक्षा के दावे

कन्नौज, 07 अक्टूबर (तरुणमित्र)। लोक निर्माण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025_26 के लिए ब्लैक स्पॉट सुधार की कार्य योजना बनाई गई थी ।जिसमें जिले के सात सड़क के मोड़ों को हादसा बाहुल्य क्षेत्र में साइन बोर्ड , रंबल स्टेप ,रंबल स्टेप सड़क चौड़ीकरण , डिवाइडर और लाइटिंग जैसे काम प्रस्तावित किए गए थे जहां कार्य योजना बनाने में लेट लतीफि हुई वहीं शासन स्तर पर मंजूरी अटक गई। जिसका अब तक ना तो बजट अबमुक्त हुआ ना ही कोई कार्य हुआ तिर्वा रोड पर पाल चौराहा , जीटी रोड पर हरदोई मोड ,गोवर्धन तिराहा, मानीमऊ क्रॉसिंग ,गुरसहायगंज के तेरा जाके ट चौराहा और सराय प्रयाग को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया था ।इसके अलावा स्टेट हाईवे पर आगोस से कन्हौली पट्टी रोड पर ब्लैक स्पॉट चिन्हित किया गया था ब्लैक स्पॉट पर हर महीने दो से तीन और अधिक गंभीर सड़क हादसे हो रहे हैं ।

वहीं हाईवे का निर्माण होने के बाद हरदोई मोड़ के निकट यातायात पुलिस द्वारा ब्लैक स्पॉट चिन्हित किया गया था यहां पर वोट लगाया गया है जो आमतौर पर दिखाई नहीं देता सड़क पर किसी प्रकार के अतिरिक्त चेतावनी से संबंधित कोई सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया ।वहीं नगर के पाल चौराहा तिर्वा रोड को ब्लैक स्पॉट घोषित किया गया है यहां से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन चालक निकलते हैं जो जलालपुर पनवारा तिर्वा तथा कन्नौज की ओर जाते हैं ट्रैफिक होने की वजह से हादसों का खतरा बना हुआ है।

सपा कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार का फूंका पुतला, किया उग्र प्रदर्शन

चित्रकूट, 07 अक्टूबर (तरुणमित्र)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सपा जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव के नेतृत्व में सड़क पर उतर सपाइयों ने जमकर हल्ला बोल किया और मुख्य आयुक्त का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया । आपको बताते चले कि देशभर में रक्फ़ के गड़बड़ी अनियमितताओं और कई मुद्दों को लेकर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के निर्देश में जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय से नारेबाजी करते हुए तहसील परिसर पहुंचकर जमकर हल्ला बोल किया और ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया और राष्ट्रपति को संबंधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंप निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बर्खास्ती व रक्फ़में काटे गए नाम को पुनः जोड़ने व अन्य अनियमितताओं को ठीक करने हेतु

उच्च स्तरीय जांच की मांग की। जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव ने कहाकि भाजपा के सह पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार बंगाल सहित कई प्रदेशों में हुए रक्फ़में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की है वर्तमान की भाजपा सरकार चुनाव आयोग की धांधली से बनी है।

ये चुनाव आयुक्त को बर्खास्त कर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज कर सलाखों के पीछे भेजा जाना चाहिए पूरे देश की जनता सड़कों पर है । पूर्व सांसद बालकुमार पटेल ने कहाकि जिस उम्मीद और भरोसे से देश की जनता ने 2014 में भाजपा को देश की शासन सत्ता की कमान सौंपी थी भाजपा ने धोखा दिया है देश की बड़ी आबादी भाजपा के खिलाफ है ।सदर विधायक अनिल प्रधान ने कहाकि बाबा साहब अंबेडकर ने वोट से राजा पैदा करने का अधिकार दिया है, पहले रानी के पेट से राजा पैदा होता था डाक्टर अंबेडकर ने संवैधानिक अधिकार देकर मत पेटियों से राजा बनाया है। पूर्व विधायक वीर सिंह पटेल ने कहा कि चुनाव आयोग से पूरा देश नाराज है सड़कों पर अब सरकार बदलना तय है। जिला महासचिव सत्यनारायण पटेल ने कहाकि अभी तो ये अंगड़ाई है, अगर समय रहते ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त नहीं किया गया तो पार्टी लगातार धरना करेगी। पूर्व जिलाध्यक्ष अनुज यादव ने कहाकि सरकार चंदा चोरी और वोट चोरी करा रही है। पूर्व जिलाध्यक्ष भैयालाल यादव ने कहा कि समाजवादी लोग कमर कस चुके है भाजपा की विदाई तय है। पूर्व जिलाध्यक्ष गौरीशंकर मिश्रा ने कहाकि यह उमड़ा जनसैलाब ज्ञानेश कुमार की नींद खराब कर देगा

मर सिंह पटेल, दीपक सिंह पटेल, रमा यादव, रामसनेही, रामकिशोर विश्वकर्मा, रोहित यादव, श्यामविहारी यादवसहित सैकड़ों की तादाद में सपाई मौजूद रहे।

गौशाला नहीं होने से अन्ना पशुओं से किसान परेशान

हमीरपुर , 07 अक्टूबर (तरुणमित्र)। एक ओर अन्ना पशुओं को गौशाला में संरक्षित कर किसानों की फसलें बचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है तो वहीं दूसरी ओर गौशाला दूसरे गांव से सम्बद्ध होने के चलते गांव में अन्ना पशुओं की समस्या खडी हो गई है। जो बची फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

इस समय किसान खेतों की जुताई और बुआई में लगा हुआ है ।लेकिन उसके सामने जहाँ खाद बीज की किल्लत है तो वहीं अन्ना पशुओं की समस्या से भयभीत है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिजवाही स्थित गौशाला में पशुओं की संख्या मानक से कम होने के कारण गांव की गौशाला के पशुओं को टिकरी की गौशाला में बंद किया जा रहा है लेकिन गौशाला से निकलते ही पशु सिजवाही मौजा के खेतों में विचरण करने लगते हैं जिससे ग्रामीण अपनी फसलों को लेकर परेशान हैं। इस सम्बन्ध में सिजवाही के पूर्व ग्राम प्रधान कृष्ण बिहारी सिंह ने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान गौशाला पशुओं से भरी रहती थी जिसके चलते समस्या नहीं होती थी लेकिन अब गौशाला में पशु बंद नहीं किए जाते ।

जिसके कारण पशुओं की संख्या कम होने के चलते पशुओं को टिकरी की गौशाला में बंद किया जा रहा है, और वह मौका मिलते ही इस क्षेत्र में अन्ना पशुओं के आने से किसने की फसल नष्ट कर जाते हैं। ग्रामीणों ने स्थायी हल निकालने की मांग जिला अधिकारी से की है।

डेंगू से बचाव को 317 स्कूली बच्चों को बांटी होम्योपैथिक औषधि

फतेहपुर, 07 अक्टूबर (तरुणमित्र)। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, आरोग्य भारती, भारत विकास परिषद एवं दि होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान तथा डॉ. सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के संयोजन में बुधवार को डेंगू बचाव एवं जागरूकता महाभियान चलाया गया।

अभियान के तहत इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश के चेयरमैन एवं कार्यकारिणी सदस्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर बच्चों को डेंगू सहित अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान कम्पोजिट विद्यालय रस्तोगीगंज के 98, उच्च प्राथमिक विद्यालय महात्मा

गांधी नगर के 95, उच्च प्राथमिक विद्यालय आदर्श खेलदार के 89 तथा प्राथमिक विद्यालय तुराब अली का पुरवा के 35, कुल 317 बच्चों को रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से होम्योपैथिक औषधि का निःशुल्क वितरण किया गया। डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बच्चों को स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की सलाह देते हुए कहा कि साफ-सफाई अपनाकर अनेक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। उन्होंने पीने के पानी को उबालकर पीने तथा आसपास कहीं भी पानी जमा न होने देने की अपील की। उन्होंने बताया कि रुके हुए पानी में मच्छरों का प्रजनन होता है, जिससे डेंगू सहित मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

नंदवारा के दो मासूमों की मौत पर सियासी घमासान

बांदा, 07 अक्टूबर (तरुणमित्र)। नरैनी क्षेत्र के नंदवारा गांव में दो मासूम सगे भाइयों की दर्दनाक मौत के मामले में पुलिस कार्रवाई के बाद अब मामला लगातार राजनीतिक और पारिवारिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच उलझता नजर आ रहा है। एक ओर जहां पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है और मुख्य अभियुक्त समेत चार लोगों के फरार होने की बात सामने आई है, वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लगातार सामने आ रहे वीडियो ने इस पूरे मामले को नया राजनीतिक रंग दे दिया है।सबसे बड़ा सवाल यह है कि दो मासूम बच्चों की मौत के मामले में न्याय की लड़ाई कहां है और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप कहां तक पहुंच गया है? सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे अलग-अलग वीडियो में दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते नजर आ रहे हैं। हालांकि, इन वायरल वीडियो में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित आरोपों की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। एक पक्ष की ओर से लोधी महेंद्र पाल वर्मा लगातार सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर खुद को निर्दोष बताते हुए आरोप लगा रहे हैं कि उन्हें राजनीतिक साजिश के तहत फंसाया गया है। उनके वीडियो में जौनपुर सांसद बाबू सिंह कुशवाहा तथा उनके भाई समेत अन्य लोगों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। महेंद्र पाल वर्मा की ओर से मामले की सीबीआई जांच की मांग भी उठाई जा रही है। उनका कहना है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और वास्तविक दोषियों को सामने लाया जाना चाहिए।

'वोट बचाओ, देश बनाओ' यात्रा निकालकर सपा ने जताया विरोध

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग, पुतला फूंका

ललितपुर, 07 अक्टूबर (तरुणमित्र)। समाजवादी पार्टी कार्यकताओं ने बुधवार को वोट बचाओ, देश बनाओ यात्रा निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। तुवन मंदिर चौराहे से शुरू हुई यात्रा बाबा साहब भारतरत्न डा.भीमराव आंबेडकर पार्क पहुंची।

यहां कार्यकताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग की और पुतला दहन किया। सपा नेताओं ने कहा कि मतदाताओं का वोट लोकतंत्र का महत्वपूर्ण अधिकार है और चुनाव प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष नैपाल सिंह, पूर्व

जिलाध्यक्ष ज्योति सिंह लोधी, पूर्व जिलाध्यक्ष महेन्द्र सिंह यादव, अभिलाषा कुशवाहा, आशीष चौबे लम्बरदार, हरी सिंह यादव, अभी खजुरिया, गिरधारी यादव, शत्रुघन यादव, महेंद्र यादव, विजय रैकवार, नरेन्द्र राजपूत, दीवान हिमांशु, अनवर खान, बाबूलाल पाल, रामप्रताप सिंह, अरशद मंसूरी, राहुल रजक नीलू, आकिब मंसूरी, अशोक अहिरवार, मूरतसिंह यादव, महेन्द्र साहू, गौरव विश्वकर्मा, विद्या मालवीय, राजेश झा, विनोद रायकवार, हुकुम सिंह, भरत यादव और शाकिर अली सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छिवलहा में बारिश बनी मुसीबत : तालाब के पानी में घिरे करीब एक दर्जन परिवार

घर बने टापू, रास्ते बंद, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित, पड़ोसियों की छतों से निकलने को मजबूर ग्रामीण

फतेहपुर/छिवलहा, 07 अक्टूबर (तरुणमित्र)। जिले के हथगाम विकासखंड अंतर्गत छिवलहा कस्बे में जल निकासी की बदहाल व्यवस्था बरसात के मौसम में स्थानीय परिवारों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन गई है। बाजार क्षेत्र के समीप स्थित दो पुराने तालाबों के आसपास रहने वाले परिवारों का कहना है कि बारिश के दिनों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से तालाब का पानी उनके घरों और रास्तों तक पहुंच जाता है।

तालाब के समीप नवाब अली परिवार के आसपास रहने वाले

करीब एक दर्जन परिवार बरसात में जलभराव से बुरी तरह प्रभावित बताए जा रहे हैं। स्थिति यह हो जाती है कि कई घर पानी से घिरकर टापू जैसे दिखाई देने लगते हैं। घरों के सामने कई फीट तक पानी जमा रहने के कारण लोगों का सामान्य आवागमन तक बाधित हो जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार जलभराव के कारण मुख्य रास्ते बंद हो जाने पर प्रभावित परिवारों को दूसरे छोर तक पहुंचने के लिए पड़ोसियों की छतों और वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को होती है। जलभराव के दौरान बच्चों का स्कूल जाना लगभग बंद हो जाता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है। हर वर्ष बरसात में यही हालात बनते हैं, और प्रभावित परिवार ग्राम प्रधान, ब्लॉक स्तर के अधिकारियों तथा जिला प्रशासन से जल निकासी और आवागमन की स्थायी व्यवस्था की मांग करते रहे हैं। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है।ग्रामीणों के मुताबिक लंबे समय से इस समस्या को लेकर चुनाव के दौरान भी नाराजगी सामने आती रही है। प्रभावित परिवार कई बार चुनाव बहिष्कार की चेतावनी तक दे चुके हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि मामूली लागत में बनने वाले पहुंच मार्ग और जल निकासी की व्यवस्था तक लंबे समय से नहीं कराई गई। विडंबना यह है कि जलभराव बढ़ने के बाद मौके पर हरे कपड़े की बैरिकेडिंग लगाकर क्षेत्र को प्रतिबंधित कर दिया जाता है, लेकिन प्रभावित परिवारों के लिए स्थायी आवागमन और जल निकासी की व्यवस्था नहीं हो पाती। स्थानीय लोगों के अनुसार प्रभावित परिवार पिछले करीब एक माह से जलभराव और आवागमन की समस्या से जूझ रहे हैं। घरों के आसपास जमा पानी, कीचड़ और गंदगी के कारण रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। नागरिकों ने प्रशासन से तालाब के पानी की निकासी के लिए स्थायी नाला/ड्रेनेज व्यवस्था, सुरक्षित पहुंच मार्ग और नियमित सफाई की मांग की है। छिवलहा क्षेत्र में बाजार, जनता इंटर कॉलेज सहित कई प्रमुख संस्थान और आवागमन के स्थानीय मार्ग हैं। रक्षाबंधन, दीपावली, दशहरा तथा अन्य अवसरों पर बाजार में बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जल निकासी की समस्या का समाधान केवल कुछ परिवारों तक सीमित मुद्दा नहीं, बल्कि कस्बे की बुनियादी सुविधा से जुड़ा विषय है।

मानदेय बढ़ाने और लैपटॉप-स्मार्टफोन की मांग को लेकर आजीविका मिशन कैडर्स ने सौंपा प्रार्थना पत्र

ललितपुर। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत कार्यरत विभिन्न कैडर्स ने मानदेय बढ़ाने और विभागीय कार्यों के लिए लैपटॉप अथवा स्मार्टफोन उपलब्ध कराने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपा। कैडर्स ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़े कार्यों के साथ-साथ ऑनलाइन सर्वे, डाटा फीडिंग और विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित जिम्मेदारियां भी निभाई जा रही हैं, लेकिन इसके एवज में मिलने वाला मानदेय काफी कम है।

समूह सखी, आजीविका सखी, स्वास्थ्य सखी, बीसी सखी, एसआईआर समेत अन्य कैडर्स ने बताया कि उन्हें स्वयं सहायता समूहों की बैठक कराने, लोकोस ऐप पर कार्य करने, डीकेवाई-एनआरएलएम, बीपीआरएमपी, जीरो पॉवर्टी सर्वे, एसआईआर तथा अन्य विभागीय योजनाओं से संबंधित कार्य करने होते हैं। महिला कार्मिकों का कहना है कि विभिन्न जिम्मेदारियों और लगातार बढ़ते कार्यभार के बावजूद उन्हें वर्तमान में मात्र 2,000 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है।

उनका कहना है कि मौजूदा महंगाई में इतनी राशि से परिवार एवं बच्चों की जरूरतों को पूरा करना कठिन हो रहा है। उन्होंने अपने मानदेय में पर्याप्त वृद्धि किए जाने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी है। कैडर्स ने बताया कि उनके कार्य का बड़ा हिस्सा अब ऑनलाइन हो गया है। सर्वे, विभागीय प्रपत्रों की फीडिंग और अन्य डिजिटल कार्यों के लिए उन्हें मोबाइल पर निर्भर रहना पड़ता है। लैपटॉप अथवा स्मार्टफोन की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण ऑनलाइन कार्य पूरा करने में अधिक समय और परेशानी का सामना करना पड़ता है। कैडर्स ने प्रमुख रूप से मांग की कि उनका मानदेय बढ़ाकर 20 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए।

इसके साथ ही डिजिटल एवं ऑनलाइन विभागीय कार्यों को सुचारु रूप से पूरा कराने के लिए सभी संबंधित कैडर्स को लैपटॉप अथवा स्मार्टफोन उपलब्ध कराया जाए। कैडर्स ने प्रशासन से उनकी समस्याओं की जांच कर मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया है।

प्रार्थना पत्र पर त्रिवेणी, किरण, पूजा, प्रेरणा, रामकुमारी, स्वाती, द्रौपदी, गायत्री, राजकुमारी सहित अन्य महिला कार्मिकों के नाम एवं हस्ताक्षर दर्ज हैं।

सागर में 'सेवा ज्योति यात्रा' और विकसित भारत संकल्प सभा का भव्य आयोजन

सागर। मध्य प्रदेश के सागर में पीटीसी ग्राउंड पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनसेवा से राष्ट्रसेवा के सफल और गौरवशाली 25 वर्ष पूर्ण होने के सुअवसर पर बुधवार को 'विकसित भारत संकल्प सभा' तथा 'सेवा ज्योति यात्रा' का भव्य आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में सागर नगर, सागर ग्रामीण के आम नागरिकों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकताओं ने भारी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अपार जनसमूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन को वर्चुअल माध्यम से सुना तथा वर्ष 2047 तक भारत को एक सशक्त और 'विकसित भारत' बनाने का सामूहिक संकल्प दोहराया। सभा में वक्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई उनकी जनसेवा की यात्रा ने आज 25 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं।

इसमें गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगभग 13 वर्ष और 2014 से देश के प्रधानमंत्री के रूप में लगभग 12 वर्षों का बेमिसाल कार्यकाल शामिल है। कार्यकताओं और नेताओं ने कहा कि इन ढाई दशकों में भारत ने विकास, सुशासन, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के नए आयाम स्थापित किए हैं। पीटीसी ग्राउंड में आयोजित इस भव्य संकल्प सभा में मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, वरिष्ठ भाजपा नेता व रहली विधायक गोपाल भार्गव, देवरी विधायक बृजबिहारी पटैरिया, तथा भाजपा प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी लोकेंद्र पाराशर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इनके अलावा सागर विधायक शैलेंद्र जैन, नरयावली विधायक प्रदीप लारिया, बंडा विधायक वीरेंद्र सिंह लोधी, कुश कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रभुदयाल कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत, भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष श्रीमती रानी कुशवाहा, महापौर श्रीमती संगीता तिवारी, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती सुधा जैन, और डॉ. विनोद पंथी ने भी सहभागिता की । कार्यक्रम को सफल बनाने में सेवा संकल्प अभियान के जिला संयोजक जगन्नाथ गुरैया, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, कार्यक्रम संयोजक यश अग्रवाल, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष जयसिंह राजा, और रळ मोर्चा के जिला महामंत्री कृष्णा दीवान की सक्रिय भूमिका रही।

मैहर विकसित भारत संकल्प सभा में जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने लिया भाग

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बुधवार को मां शारदा मंदिर मार्ग स्थित वन विभाग कार्यालय के सामने कार पार्किंग स्थल पर जिला स्तरीय ह्लविकसित भारत संकल्प सभाह्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी एवं कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।कार्यक्रम में विधायक चतुर्वेदी ने कार्यक्रम को संबोधित कर यात्रा के महत्व और उद्देश्य की जानकरी दी।कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल माध्यम से जुड़े और देशवासियों को संबोधित किया। उन्होंने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प दिलाते हुए उपस्थित जनसमुदाय में राष्ट्र निर्माण के प्रति उत्साह एवं ऊर्जा का संचार किया।

सेवा ज्योति संकल्प कलश यात्रा सभी विधानसभाओं के लिए रवानाजिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रज्ज्वलित सेवा ज्योति की मशाल से जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में सेवा ज्योति प्रज्ज्वलित किए जाने के लिए यात्रा को रवाना किया गया। मुख्य अतिथि विधायक श्री चतुर्वेदी सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने तीन संकल्प कलश रथ यात्राओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह यात्रा मैहर जिले के मैहर, अमरपाटन एवं रामनगर ब्लॉक के ग्रामीण अंचलों के साथ अमदरा क्षेत्र सहित विभिन्न गांवों तक पहुंचेगी।

यात्रा के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन एवं कार्यकाल से जुड़े कार्यों तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को विभिन्न योजनाओं, उनकी पात्रता एवं मिलने वाले लाभों के संबंध में भी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

फलोदी सुपर बाजार में भीषण आग 50 लाख का सामान जलकर खाक

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के खिलचीपुर शहर की गायत्री कॉलोनी स्थित फलोदी सुपर बाजार में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से किराना सामान, खाद्य तेल, कॉस्मेटिक सामग्री और नवरात्रि सजावट के लिए इंदौर से लाया गया सामान जलकर खाक हो गया। दुकान संचालक जीतू गुप्ता ने करीब 50 लाख रुपये का नुकसान होने की बात कही है। आग पर करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद काबू पाया जा सका।

दुकान संचालक के अनुसार सुबह आग लगने की सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचे। उस समय दुकान के एक कोने में आग लगी हुई थी। शटर खोलकर दमकल को सूचना दी गई, लेकिन दुकान में तेल सहित अन्य ज्वलनशील सामान रखा होने के कारण आग तेजी से फैल गई। देखते ही देखते पूरा टीनशेड आग की चपेट में आ गया। आग से उठता काला धुआं दूर तक दिखाई दे रहा था।आग लगने की घटना के बाद दुकानदार और स्थानीय लोगों ने नगर परिषद की दमकल व्यवस्था पर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि सूचना मिलने के करीब आधे घंटे बाद नगर परिषद की दमकल मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के अनुसार दमकल का पाइप फूटा हुआ था, जिससे पानी का पर्याप्त दबाव नहीं बन पा रहा था।आग बुझाने के दौरान स्थानीय लोगों ने खुद पाइप संभालकर दमकल कर्मियों की मदद की।

आग पर नियंत्रण पाने के लिए बाद में जीरापुर से दमकल वाहन और निजी पानी के टैंकर भी बुलाए गए। इसके बाद करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।आग बुझने के बाद एसडीएम ज्योति राजोरे मौके पर पहुंचीं। दुकान संचालक ने उन्हें आग से हुए नुकसान की जानकारी दी और दमकल व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में व्यापारी और स्थानीय लोग नगर परिषद कार्यालय पहुंच गए।प्रदर्शनकारियों ने नगर परिषद और सीएमओ देवनारायण दांगी के खिलाफ नारेबाजी की।

इसके बाद व्यापारी और स्थानीय लोग जीरापुर रोड पर बैठ गए। विरोध के चलते कई दुकानों के शटर बंद रहे और सड़क पर वाहनों की कतार लग गई। करीब दो घंटे तक प्रदर्शन चलता रहा।स्थिति को देखते हुए थाना प्रभारी कमलसिंह गहलोत पुलिस बल के साथ मौके पर तैनात रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए भोजपुर, जीरापुर, बोड़ा और कालीपीठ थानों से पुलिस बल के साथ पुलिस लाइन से भी अतिरिक्त बल बुलाया गया।

बाद में राजगढ़ के डिप्टी कलेक्टर भी मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने व्यापारियों को घटना की जांच के लिए टीम गठित करने और उचित मुआवजे के लिए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन

राजगढ। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत बुधवार को ब्यावरा में भव्य मोटरसाइकिल यात्रा निकाली गई। राजगढ़ जिला मुख्यालय स्थित स्टेडियम में आयोजित 'सेवा ज्योति यात्रा-विकसित भारत संकल्प सभा' में शामिल होने के बाद प्रदेश के मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री नारायणसिंह पंवार कार्यकताओं के साथ बाइक रैली लेकर ब्यावरा पहुंचे। राजगढ़ चैराहे से मंत्री कार्यालय तक निकली यात्रा में सैकड़ों मोटरसाइकिलों पर हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए। यात्रा के दौरान कार्यकताओं ने सेवा, समर्पण, राष्ट्र प्रथम और विकसित भारत के नारों के साथ उत्साह जताया। शहर के विभिन्न स्थानों पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। पूरे मार्ग में कार्यकताओं में खासा उत्साह नजर आया। 'गांव से ग्लोबल तक भारत के बढ़ते सामर्थ्य की गौरवगाथा' यात्रा के समापन पर मंत्री पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष केवल लंबी राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि 'गांव से ग्लोबल'तक भारत के बढ़ते सामर्थ्य, आत्मविश्वास और विकास की गौरवगाथा हैं।

उनके दूरदर्शी नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। युवाओं के लिए रोजगार व कौशल विकास के अवसर बढ़े हैं, नारीशक्ति को सम्मान और सशक्तिकरण मिला है तथा किसानों के लिए नई संभावनाएं खुली हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का प्रेरणादायी संबोधन सभी ने सुना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश भी विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन की सरकार सुशासन, आधुनिक अधोसंरचना और जनकल्याण के संकल्प के साथ प्रदेश को नई गति दे रही है। मंत्री ने कहा कि विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करने का संकल्प दोहराया गया। यात्रा में पूर्व मंत्री बद्रीलाल यादव, मंडल अध्यक्ष राजू यादव, दिनेश मीना, श्यामसिंह चैहान, जयेंद्र गुर्जर, कल्याण गुर्जर, बलवंत सिंह सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नीमच में फर्नीचर गोदाम में भीषण आग, 6 करोड़ का नुकसान, शॉर्ट सर्किट की आशंका

नीमच। मध्य प्रदेश के नीमच शहर के सिंगोली रोड पर कृषि विज्ञान केंद्र के पास स्थित नाकोड़ा फर्नीचर के गोदाम में बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने गोदाम के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग से उठता काले धुएं का गुबार काफी दूर से दिखाई दे रहा था। सूचना मिलते ही दमकल और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया।आग पर काबू पाने के लिए नीमच नगर पालिका, सीआईएसएफ और जीरन नगर परिषद की 7 फायर ब्रिगेड के साथ 2 पानी के टैंकर लगाए गए। एसडीएम पराग जैन, तहसीलदार मृगेंद्र सिसोदिया और संजीव मालवीय भी मौके पर पहुंचे और राहत एवं अग्निशमन कार्य का जायजा लिया।गोदाम मालिक दीपक जैन के मुताबिक, आग का पता चलने तक गोदाम के पिछले हिस्से में आग तेजी से फैल चुकी थी। यहां बड़ी मात्रा में सोफा सेट, पलंग, अलमारियां, गद्दे, प्लाईवुड और फर्नीचर निर्माण में इस्तेमाल होने वाली मशीनें रखी थीं। आग की चपेट में आने से इनका बड़ा हिस्सा जलकर नष्ट हो गया।

कॉम्प्लेक्स में नपा की कार्रवाई, बकाया किराया नहीं चुकाया तो 3 दुकानों पर तालाबंदी

राजगढ। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में संजय शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में किराया और प्रीमियम राशि जमा नहीं करने वाले दुकानदारों पर नगर पालिका ब्यावरा ने बुधवार को कार्रवाई की। नपा की टीम ने बकाया राशि जमा नहीं करने वाली तीन दुकानों पर तालाबंदी कर दी। कार्रवाई से बकायादार दुकानदारों में हड़कंप की स्थिति रही। नगर पालिका की ओर से पहले ही संजय शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के सभी दुकानदारों को सूचना पत्र जारी कर बकाया किराया और प्रीमियम राशि जमा करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद बुधवार को नपा की टीम मौके पर पहुंची और बकाया राशि की वसूली की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान सात दुकानदारों ने मौके पर ही बकाया राशि जमा करा दी। वहीं दो दुकानदारों ने राशि का भुगतान करने के लिए नगर पालिका को चेक सौंपे। इसके बावजूद तीन दुकानदारों ने बकाया राशि जमा नहीं की। इस पर नगर पालिका ने सख्ती दिखाते हुए संबंधित दुकानों पर तालाबंदी की कार्रवाई की।मुख्य नगर पालिका अधिकारी इकरार अहमद ने बताया कि बकायादारों से राशि वसूलने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कर्मचारियों को लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली करने के निर्देश दिए हैं। कार्रवाई के दौरान प्रभारी राजस्व उपनिरीक्षक योगेंद्रसिंह सोलंकी, स्थायीकर्मी सुरेंद्र वर्मा, नपा कर्मचारी गौरव यादव, राजेंद्र नामदेव, अजय मेवाड़े, मुकेश लश्करी, धर्मेंद्र परिहार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सीहोर में खराब सड़कों से परेशान नागरिकों और व्यापारियों ने किया चक्काजाम

सीहोर। मध्य प्रदेश के सीहोर के मंडी क्षेत्र में सड़क की बदहाल स्थिति से परेशान नागरिकों और व्यापारियों ने बुधवार को चक्काजाम कर प्रदर्शन किया। लोगों का कहना था कि मंडी से श्यामपुर तक करीब 30 करोड़ रुपए की लागत से एफडीआर पद्धति से बनाई गई सड़क गारंटी अवधि में ही जगह-जगह उखड़ने लगी है।

सड़क पर गड्ढों और उखड़ी सतह के कारण गिट्टियां बाहर निकल आई हैं, वहीं वाहनों के गुजरने से दिनभर धूल उड़ती रहती है।प्रदर्शनकारियों ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए प्रशासन और संबंधित ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना था कि सड़क की स्थिति लगातार खराब होने के बावजूद स्थायी मरम्मत नहीं की जा रही है।

सड़क पर गड्ढों और बिखरी गिट्टियों के कारण वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने से हादसे भी हो रहे हैं।

स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि सड़क से उड़ने वाली धूल दुकानों और सामान पर जम रही है। इससे कारोबार प्रभावित होने के साथ लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों का कहना है कि सड़क की स्थिति ऐसी हो गई है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है।

सड़क की मरम्मत और निर्माण की गुणवत्ता की जांच की मांग को लेकर यह दो महीने में तीसरा चक्काजाम है। इससे पहले कोलीपुरा चौराहे और हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में भी नागरिक सड़क की समस्या को लेकर प्रदर्शन कर चुके हैं। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए और निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए।

चक्काजाम की सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। अधिकारियों ने लोगों को समस्या के समाधान का आश्वासन देकर रास्ता खुलवाने का प्रयास किया।

दो सड़क हादसों में एक की मौत, तीन घायल

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में बुधवार को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए दो सड़क हादसों में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। दोनों हादसों में बाइक को अज्ञात तेज रफ्तार वाहनों ने टक्कर मारी। पुलिस ने मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।देहात ब्यावरा थाना क्षेत्र में ग्राम दूधी निवासी 24 वर्षीय अभय पुत्र सुमन सिंह नैनावत अपनी पत्नी और बच्चे के साथ बाइक से ब्यावरा से दूधी जा रहा था। इसी दौरान भोपाल बाइपास चैराहे के समीप तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में अभय के पैर में गंभीर चोट आई। उसे प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर किया गया। वहीं उसकी पत्नी और बच्चे को भी हल्की चोटें लगी हैं। पुलिस अज्ञात वाहन और चालक की तलाश कर रही है।इधर, बीती रात खिलचीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बिसलाई निवासी 43 वर्षीय हजारीलाल तंवर बाइक से तलावड़ा गांव से अपने गांव की ओर लौट रहा था। गांव से करीब एक किलोमीटर दूर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में हजारीलाल के सिर और पैर में गंभीर चोटें आईं। प्राथमिक उपचार के बाद उसे झालावाड़ रेफर किया गया, लेकिन घाटोली के पास रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मामले में मर्ग कायम कर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस दोनों हादसों में टक्कर मारने वाले वाहनों की तलाश कर रही है।

जिला सलाहकार समिति की बैठक में कलेक्टर ने की समीक्षा

मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर में माय भारत केन्द्र की जिला सलाहकार समिति की बैठक बुधवार को हुई। कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में आयोजित बैठक में अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने निर्देशित किया कि माय भारत केन्द्रश के तत्वावधान में जिले के युवाओं की वॉलिंटियर्स टीम तैयार की जाएगी वॉलिंटियर्स विभिन्न सामाजिक एवं सेवा क्षेत्र में नियमित रूप से अपना योगदान देंगे वॉलिंटियर्स को प्रशिक्षण दिलवाया जाएगा।

बैठक में कलेक्टर कहा कि वॉलिंटियर्स की टीम द्वारा जिले में शामिल युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने के लिए प्रेरित तथा प्रशिक्षित किया जाएगा। युवा वॉलिंटियर्स काउंसलिंग से लेकर रेस्क्यू रिलीफ,नशा मुक्ति,विभिन्न शासकीय अभियानों,खेल गतिविधियों, कार्यशालाओं, आईईसी तथा विभिन्न इवेंट्स गतिविधियों में अपना योगदान देंगे वॉलिंटियर्स ऑन कॉल रहेंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि वॉलिंटियर्स के लिए केप टी-शर्ट भी डिजाइन की जाएगी वॉलिंटियर्स टीम के लिए स्कूल कॉलेजों तथा अन्य स्थानों से युवाओं का डाटाबेस तैयार किया जाएगा। कलेक्टर ने माय भारत केन्द्र को कार्यक्रमों गतिविधियों के लिए कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। वॉलिंटियर्स की टीम तैयार करके उनको ग्रुप वार गतिविधियों हेतु संगठित किया जाएगा प्रत्येक सेक्टर के लिए एक नोडल रहेगा वॉलिंटियर्स को पंजीकृत करने के लिए रजिस्ट्रेशन ड्राइव संचालित की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि आगामी 15 अक्टूबर को वॉलिंटियर्स की बैठक आयोजित होगी। बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए गए। प्रारंभ में माय भारत केन्द्र की जिला युवा अधिकारी मुस्कान जैन ने माय भारत द्वारा किए जा रहे कार्यों गतिविधियों से अवगत कराया।

बिना फिटनेस चल रही स्कूल बसों पर परिवहन विभाग ने की कार्रवाई

मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर में बुधवार को बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने सख्ती दिखाते हुए जग्गा खेड़ी स्थित करनी इंटरनेशनल स्कूल की स्कूल बस की जांच की। परिवहन अधिकारी दीपक मांझी के निर्देश पर उप परिवहन निरीक्षक शुभम मंडलोई एवं पूजा मुकाती ने स्कूल बस की चेकिंग की, जिसमें एक बस बिना फिटनेस के संचालित होती हुई पाई गई। परिवहन विभाग की टीम ने तत्काल संबंधित वाहन का चालान बनाया और बस में सवार बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें दूसरी बस से रवाना किया।

रोजगार मेले में नौकरी के नाम पर युवाओं से ?4,210 लेने की शिकायत, प्राचार्य ने कलेक्टर को भेजा पत्र

शिवपुरी। मध्य प्रदेश में शिवपुरी जिले के करैरा में आयोजित रोजगार मेले में नौकरी की तलाश में पहुंचे विद्यार्थियों एवं बेरोजगार युवाओं से कथित तौर पर राशि लिए जाने का मामला सामने आया है। सूर्या डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी के प्रतिनिधियों पर प्रत्येक अभ्यर्थी से ?4,210 लिए जाने की शिकायत की गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए शासकीय स्नातक महाविद्यालय करैरा के प्राचार्य जितेंद्र गुप्ता ने कलेक्टर शिवपुरी को पत्र भेजकर जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। प्राचार्य द्वारा बुधवार को कलेक्टर को भेजे गए पत्र के अनुसार 23 जुलाई 2026 को जिला रोजगार कार्यालय शिवपुरी के तत्वावधान में शासकीय स्नातक महाविद्यालय करैरा में युवा संगम/रोजगार मेले का आयोजन किया गया था। रोजगार मेले में करीब 200 से 300 विद्यार्थी एवं बेरोजगार युवा शामिल हुए थे। विभिन्न कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों का चयन कर उन्हें ऑफर लेटर भी प्रदान किए गए थे।पत्र में उल्लेख किया गया है कि रोजगार मेले में शामिल सूर्या डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी के कर्मचारियों/प्रतिनिधियों द्वारा विद्यार्थियों एवं बेरोजगार युवाओं से नौकरी एवं रोजगार के पंजीयन आदि के नाम पर ?4,210 प्रति अभ्यर्थी राशि लिए जाने की शिकायत प्राप्त हुई है। शिकायतकताओं के अनुसार राशि दिए जाने के बाद संबंधित व्यक्ति द्वारा फोन कॉल का जवाब नहीं दिया जा रहा है तथा उससे संपर्क भी नहीं हो पा रहा है। इसके बाद विद्यार्थियों ने महाविद्यालय प्रबंधन के समक्ष मौखिक एवं लिखित शिकायत प्रस्तुत की। शिकायत के साथ भुगतान से संबंधित प्रमाण, मोबाइल संदेश, ऑफर लेटर एवं अन्य दस्तावेज भी प्रस्तुत किए जाने की जानकारी महाविद्यालय के पत्र में दी गई है।मामले से संबंधित उपलब्ध दस्तावेजों में सूर्या डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स के नाम से जारी एक ट्रेनिंग लेटर भी है। इसमें एक अभ्यर्थी के लिए 'स्टोर इंचार्ज' पद, शिवपुरी जॉब लोकेशन तथा ?21,500 मासिक वेतन का उल्लेख किया गया है। दस्तावेज में 10 अगस्त से 10 सितंबर 2026 तक इंदौर में प्रशिक्षण की जानकारी भी दर्ज है।वहीं एक अन्य दस्तावेज में सूर्या डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स के नाम से ट्रेनिंग सेंटर गेट पास जारी होने की जानकारी है। इसके अलावा 4 अगस्त 2026 को ?3,250 के भुगतान का स्क्रीनशॉट भी उपलब्ध कराया गया है। इन सभी दस्तावेजों की प्रामाणिकता और आपसी संबंध की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। महाविद्यालय के प्राचार्य ने कलेक्टर से संबंधित व्यक्ति एवं कंपनी के प्रतिनिधियों की भूमिका की जांच कराने, विद्यार्थियों से ली गई राशि वापस कराने तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया है।

मामले में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि रोजगार मेले में अभ्यर्थियों से राशि लेने की अनुमति किस स्तर पर थी और यदि राशि अधिकृत नहीं थी तो बेरोजगार युवाओं से यह रकम किस आधार पर ली गई। प्रशासनिक जांच के बाद ही इन सवालों का जवाब स्पष्ट हो सकेगा। रोजगार की तलाश में रोजगार मेले तक पहुंचने वाले अधिकांश युवा नौकरी की उम्मीद लेकर आते हैं। ऐसे में यदि नौकरी अथवा प्रशिक्षण के नाम पर उनसे अनधिकृत रूप से राशि ली गई है।

अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप शुरू, 42 देशों के 144 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

अहमदाबाद। कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का दूसरा संस्करण बुधवार को अहमदाबाद में शुरू हो गया। इसमें राष्ट्रमंडल के 42 देशों के 144 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता के मुकाबले 8 से 10 अक्टूबर तक वीर सावरकर खेल परिसर में खेले जाएंगे। उद्घाटन समारोह 7 अक्टूबर को आयोजित किया गया। प्रतिष्ठित बहुविषयक प्रतियोगिता पहली बार भारत में हो रही है। अहमदाबाद में अगले तीन दिनों तक अनुभवी चैंपियन, उभरती प्रतिभाएं और भारत के शीर्ष खिलाड़ी राष्ट्रमंडल खिताब के लिए मुकाबला करेंगे।

चैंपियनशिप में 72 पुरुष और 72 महिला खिलाड़ी पांच स्पधाओं–इंग्लिश बिलियड्र्स, स्नूकर, 10-बॉल पूल, हीबॉल और ब्लैकबॉल–में चुनौती पेश करेंगे। चार दिवसीय आयोजन में कुल 10 पदक स्पधाएं होंगी। यह प्रतियोगिता भारतीय बिलियड्र्स और स्नूकर महासंघ के शताब्दी समारोह का भी प्रमुख हिस्सा है।

भारत ने 2025 में मॉरीशस में आयोजित पहली चैंपियनशिप में पांच पदक जीते थे। घरेलू मैदान पर इस बार भारतीय चुनौती की अगुआई महिला हीबॉल की मौजूदा

कॉमनवेल्थ चैंपियन विद्या पिल्लई, पुरुष हीबॉल के रजत पदक विजेता शिवम अरोड़ा और महिला 10-बॉल पूल की रजत पदक विजेता चित्रा मागिमैराज करेंगी। तीनों खिलाड़ी अपने पदकों की संख्या बढ़ाने के इरादे से उतरेंगे। भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के मजबूत प्रतिद्वंद्वियों से चुनौती मिलेगी। इनमें इंग्लैंड की केली फिशर और रेबेका केना, दक्षिण अफ्रीका के क्रेग बोवर, मलेशिया के लिम कोक लियोंग और वेल्स के डैरेन मॉर्गन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। विश्व बिलियड्र्स खेल परिसंघ के उपाध्यक्ष मुबारक अल-खयारिन ने कहा, 'कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप इस खेल के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है और हमें खुशी है कि इस वर्ष का संस्करण भारत के अहमदाबाद में आयोजित हो रहा है।

राष्ट्रमंडल के विभिन्न हिस्सों से शीर्ष क्यू स्पोर्ट्स खिलाड़ियों को एक साथ लाना उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है और दुनिया भर में हमारे खेल को जोड़ने वाले संबंधों को और मजबूत करता है। हम एक रोमांचक चैंपियनशिप की उम्मीद करते हैं और अहमदाबाद में खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते देखने के लिए उत्सुक हैं।' परिसंघ की बोर्ड सदस्य ग्रीटा स्टीनकैंप ने कहा, 'हम भारत में कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का स्वागत करते हुए खुश हैं और राष्ट्रमंडल के विभिन्न हिस्सों से खिलाड़ियों को एक साथ लाने वाले इस आयोजन का समर्थन करके प्रसन्न हैं।

ऐसी चैंपियनशिप खिलाड़ियों के लिए अवसर पैदा करने, अंतरराष्ट्रीय खेल संबंधों को मजबूत करने और क्यू स्पोर्ट्स की वैश्विक पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हम अहमदाबाद में एक शानदार प्रतियोगिता की उम्मीद करते हैं और सभी खिलाड़ियों को आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।' आयोजन से पहले हुई पत्रकार वार्ता में विश्व बिलियड्र्स खेल परिसंघ के उपाध्यक्ष मुबारक अल-खयारिन, परिसंघ की बोर्ड सदस्य ग्रीटा स्टीनकैंप, डोपिंग रोधी निदेशक जेम्स लीसी, भारतीय बिलियड्र्स और स्नूकर महासंघ के अध्यक्ष एस. बालासुब्रमण्यम, महासचिव सुनील बजाज, गुजरात स्नूकर एवं बिलियड्र्स संघ के अध्यक्ष अभिषेक शाह और एपेक्स स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं संस्थापक तथा भारतीय क्यू स्पोर्ट्स खिलाड़ी शिवम अरोड़ा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गौतम गंभीर ने अजित अगरकर की सराहना की, कहा- इतिहास आपके प्रति अधिक उदार रहेगा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को चयन समिति के निवर्तमान अध्यक्ष अजित अगरकर की जमकर सराहना की। गंभीर ने कहा कि 'टीम पहले' की सोच और दृढ़ विश्वास ने अगरकर के कार्यकाल में भारत को तीन आईसीसी खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई और 'इतिहास आपके प्रति अधिक उदार रहेगा।'

अगरकर का चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल पिछले महीने समाप्त हो गया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को इस पद को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए। इससे पहले कई सप्ताह तक अगरकर को कार्यकाल विस्तार दिए जाने को लेकर अटकलें चलती रही थीं। गंभीर ने सोशल मीडिया पर अगरकर के लिए भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, 'प्रिय अजित भाई, आपके साथ काम करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात रही। वे तीन आईसीसी ट्रॉफियां आपके विश्वास की गवाही देती हैं : हमेशा टीम पहले और टीम से आगे। मुझे कहना होगा कि इतिहास आपके प्रति अधिक उदार रहेगा। हर चीज के लिए धन्यवाद। आपके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी दिल से शुभकामनाएं।'

अगरकर के कार्यकाल में भारत ने 2024 और 2026 का टी20 विश्व कप तथा 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी जीती। उनके कार्यकाल के दौरान भारतीय टीम में एक महत्वपूर्ण बदलाव का दौर भी आया, जिसमें बल्लेबाजी के दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने क्रमशः टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया। अगरकर को कई मौकों पर कड़े फैसले लेने वाले चयनकर्ता के रूप में देखा गया। वह इस सवाल पर भी स्पष्ट रुख अपनाने से बचते रहे कि कोहली और रोहित 2027 के एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारतीय टीम की योजनाओं में शामिल हैं या नहीं।

प्रमोद भगत और भाविना पटेल एशियाई पैरा खेलों में होंगे भारत के ध्वजवाहक

नई दिल्ली। पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत और भाविना पटेल 18 अक्टूबर को जापान के नागोया में होने वाले आइची-नागोया 2026 एशियाई पैरा खेलों के उद्घाटन समारोह में भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे। दोनों खिलाड़ी भारत के सबसे सफल पैरा खिलाड़ियों में शामिल हैं और उनकी उपलब्धियों ने देश में पैरा खेलों को नई पहचान दिलाई है।

भारतीय पैरालंपिक समिति के अनुसार, पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने 2014 से 2023 के बीच एशियाई पैरा खेलों में छह पदक जीते हैं, जिसमें दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं, पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल ने 2018 से 2023 के बीच एशियाई पैरा खेलों में दो पदक जीते हैं। इनमें एक रजत और एक कांस्य पदक शामिल है।

प्रमोद और भाविना ने मिलकर एशियाई पैरा खेलों में आठ पदक जीते हैं। अब दोनों 18 से 24 अक्टूबर तक होने वाले पांचवें एशियाई पैरा खेलों में भारतीय दल के आगे तिरंगा लेकर चलेंगे। भारतीय पैरालंपिक समिति 8 अक्टूबर को नई दिल्ली में विशेष विदाई समारोह में भारतीय दल को औपचारिक रूप से रवाना करेगी। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया समारोह के मुख्य अतिथि होंगे, जबकि युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगी। प्रमोद भगत और भाविना पटेल का ध्वजवाहक चुना जाना विशेष महत्व रखता है।

दोनों खिलाड़ी भारत में पैरा खेलों के विकास में अग्रणी रहे हैं और लगातार बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का गौरव बढ़ाते रहे हैं। भारतीय दल के नेतृत्व में उनकी मौजूदगी भागीदारी से प्रदर्शन और प्रतिनिधित्व से वैश्विक पैरा खेलों में पहचान हासिल करने तक भारत के सफर का प्रतीक मानी जा रही है।

भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने कहा, 'उद्घाटन समारोह में प्रमोद भगत और भाविना पटेल को भारतीय दल का नेतृत्व करते देखना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है। दोनों असाधारण चैंपियन हैं, जिन्होंने भारतीय पैरा खेलों के विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उनका सफर, उपलब्धियां और दृढ़ता उन्हें भारतीय दल के लिए उपयुक्त प्रतिनिधि बनाती है और मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस महत्वपूर्ण अभियान की शुरूआत करने वाले हमारे खिलाड़ियों को प्रेरित करेंगे।' भाविना पटेल ने कहा, 'भारत की ध्वजवाहक चुना जाना मेरे लिए बहुत गर्व का क्षण है।

मुख्य कोच की नजर लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर, भारतीय मुक्केबाजों से शुरूआती दौर में अधिक कोटा हासिल करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के मुख्य कोच सैंटियागो नीवा ने 2026 एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन के बाद अब लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए अधिक से अधिक कोटा जल्द हासिल करने को अपना अगला लक्ष्य बनाया है। एशियाई खेलों में भारतीय महिला मुक्केबाजों ने तीन पदक जीते, जिसमें दो स्वर्ण शामिल हैं। ओलंपिक के लिए पहला प्रमुख क्वालीफिकेशन मार्ग 2027 में कजाकिस्तान में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से शुरू होगा।

नीवा ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) मीडिया से कहा, 'पहला क्वालीफायर कजाकिस्तान में होगा, जो विश्व चैंपियनशिप है, जहां आदर्श रूप से हम अधिक से अधिक कोटा हासिल करना चाहेंगे।

इसके बाद एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर होगा और 2028 में दो और ओलंपिक क्वालीफायर होंगे।'

ग्लासगो में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय महिला मुक्केबाजों ने छह पदक जीते थे, जिनमें पांच स्वर्ण शामिल थे। इसके बाद आइची-नागोया एशियाई खेलों में तीन पदकों के प्रदर्शन ने भारतीय महिला मुक्केबाजी के लिए शानदार वर्ष पूरा किया। नीवा का लक्ष्य है कि उनकी अधिक से अधिक खिलाड़ी शुरूआती चरण में ही लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लें, जिससे टीम को ओलंपिक की विशेष तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

नीवा ने कहा, 'अगर हम आदर्श रूप से अगले साल शुरूआत में ही क्वालीफाई कर लेते हैं तो हमें अच्छी तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। यह एक कठिन क्वालीफिकेशन मार्ग होगा और उम्मीद है कि हम अधिक से अधिक मुक्केबाजों को क्वालीफाई करा सकेंगे, ताकि हम ओलंपिक के लिए मजबूत टीम तैयार कर सकें।' नीवा 2017 से 2021 तक भारतीय मुक्केबाजी के उच्च प्रदर्शन निदेशक रहे थे। भारतीय मुक्केबाजी व्यवस्था में उनका दूसरा कार्यकाल 2025 में राष्ट्रीय महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में शुरू हुआ। अर्जेंटीना के इस कोच ने इस वर्ष टीम की सफलता का श्रेय पूरे साल चले तैयारी कार्यक्रम को दिया, जिसमें मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं, घरेलू शिविर और उच्च स्तर की अभ्यास मुकाबले शामिल रहे।

भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम ने इस वर्ष की बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से पहले पटियाला स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में कड़ी मेहनत की। नीवा ने टीम को मिलने वाली सहयोगी व्यवस्था को अहम बताते हुए कहा कि पटियाला केंद्र में मुक्केबाजों के साथ करीब 40 लोग काम करते हैं, जिनमें लगभग 20 प्रशिक्षक और 20 अन्य सहयोगी स्टाफ शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास मुक्केबाजों के साथ काम करने वाले 40 लोगों का स्टाफ है, जिनमें करीब 20 कोच और 20 अन्य सहयोगी स्टाफ हैं। खेल विज्ञान, मुक्केबाजी हॉल, मुक्केबाजी उपकरण और अन्य क्षेत्रों में सुधार हुए हैं।'

अर्थव्यवस्था

ब्याज दर में बढ़ोतरी से महंगा होगा लोन, बढ़ जाएगा ईएमआई का बोझ

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने देश में महंगाई के दबाव को नियंत्रित करने के लिए नीतिगत दरों में बढ़ोतरी का बड़ा निर्णय लिया है। केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट (0.25 प्रतिशत) का इजाफा कर दिया है, जिसके बाद देश में कर्ज लेना पहले की तुलना में अधिक महंगा हो जाएगा। परेशानी यह है कि ब्याज दरों में तत्काल कटौती की संभावना भी नहीं है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि रिजर्व बैंक का अगला कदम आर्थिक परिस्थितियों और महंगाई के रुख के आधार पर या तो दरों में और बढ़ोतरी करना होगा या फिर इन्हें इसी स्तर पर थामे रखना होगा। इस फैसले के बाद बैंक धीरे-धीरे ब्याज दरों में बढ़ोतरी का बोझ ग्राहकों पर डालना शुरू करेंगे, जिससे आम उपभोक्ताओं के मासिक बजट में बदलाव आना तय है।

टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक के इस कदम का सबसे सीधा और बड़ा असर उन होम लोन धारकों पर पड़ने जा रहा है, जिन्होंने फ्लोटिंग रेट पर कर्ज लिया है। ऐसे कर्ज सीधे तौर पर एक्सटर्नल बेंचमार्क यानी रेपो रेट से जुड़े होते हैं। ब्याज दरों में इस बढ़ोतरी के बाद बैंकों से मिलने वाले होम लोन की दरें बढ़ जाएंगी। इसकी वजह से या तो ग्राहकों को हर महीने चुकाई जाने वाली किस्त (ईएमआई) की राशि बढ़ानी होगी या फिर उनके कर्ज की अवधि (लोन टेन्योर) लंबी हो जाएगी।

तारकेश्वर नाथ वैष्णव के अनुसार मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं, कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव और पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए रिजर्व बैंक ने महंगाई को काबू में रखने के उद्देश्य से यह सख्त कदम उठाया है। वैष्णव का ये भी कहना है कि ब्याद दर में की गई बढ़ोतरी से त्योहारी सीजन के दौरान रियल एस्टेट मार्केट में चल रही मजबूत मांग और खरीदारों के उत्साह पर कोई खास नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा लेकिन त्योहारी सीजन खत्म होने के बाद रियल एस्टेट सेक्टर बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि ब्याज दर में 25 बेसिस प्वाइंट की यह बढ़ोतरी मध्यम वर्ग की जेब पर अच्छा-खासा असर डाल सकती है। तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति ने 25 साल की अवधि के लिए 50 लाख रुपये का होम लोन लिया है तो ब्याज

दर में इस मामूली वृद्धि के कारण उसकी मासिक ईएमआई करीब 816 रुपये तक बढ़ सकती है। लोन की पूरी अवधि के दौरान इस बढ़े हुए पैसे का कुल बोझ देखें तो ग्राहक को करीब 2.45 लाख रुपये का अतिरिक्त ब्याज चुकाना पड़ेगा। इसी तरह 30 लाख रुपये के लोन पर मासिक ईएमआई करीब 490 रुपये और 40 लाख रुपये के लोन पर लगभग 654 रुपये की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। इसके विपरीत, जो ग्राहक अपनी मासिक ईएमआई की राशि में कोई बदलाव नहीं करना चाहते हैं, उनके लिए कर्ज चुकाने की अवधि करीब 22 महीने और बढ़ जाएगी, जिससे उनका 25 साल का लोन लगभग 27 साल में जाकर पूरा होगा। इस फैसले के बाद अलग-अलग तरह के ग्राहकों पर अलग-अलग असर दिखेगा। फ्लोटिंग रेट वाले ग्राहकों को अपने लोन के रीसेट साइकिल के पूरा होते ही इस बढ़े हुए बोझ का अहसास होने लगेगा।

हालांकि बैंक ग्राहकों को यह विकल्प दे सकते हैं कि वे अपनी सहूलियत के हिसाब से मासिक किस्त की राशि बढ़ाएं या कर्ज की अवधि को लंबा करें।

दूसरी ओर, जिन लोगों ने फिक्स्ड रेट यानी स्थिर ब्याज दर पर पहले से होम लोन लिया हुआ है, उनकी मौजूदा ईएमआई पर कोई तत्काल असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, यदि वे भविष्य में अपने लोन को रीफाइनेंस कराने की सोच रहे हैं या बाजार से नया कर्ज लेने जा रहे हैं, तो उन्हें अब पहले के मुकाबले अधिक ऊंची दरों पर ब्याज चुकाना होगा। जानकारों का कहना है कि रेपो रेट में बढ़ोतरी के बाद बैंकों के लिए फंड की लागत बढ़ जाएगी। इसका सीधा असर होम लोन की तरह कार लोन और पर्सनल लोन लेने वाले ग्राहकों पर भी पड़ेगा। नए लोन महंगे हो जाएंगे और मौजूदा फ्लोटिंग रेट लोन की ईएमआई या लोन की अवधि बढ़ जाएगी। दूसरी तरफ, बचतकताओं और विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह अच्छी खबर है। बैंक अपनी लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट और बचत खातों पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं, जिससे जमा पूंजी पर अधिक रिटर्न मिल सकेगा। तारकेश्वर नाथ वैष्णव का ये भी कहना है कि ब्याज दर बढ़ने से बैंकिंग प्रणाली में क्रेडिट ग्रोथ (लोन की मांग) में थोड़ी सुस्ती आ सकती है क्योंकि लोन महंगे होने से लोग कर्ज लेने में सावधानी बरतेंगे। हालांकि, एफडी पर आकर्षक ब्याज मिलने से बैंकों के पास जमा पूंजी का प्रवाह बढ़ सकता है। ऐसे में बैंकों को अपने नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) को संतुलित रखने के लिए कड़ी मशक्कत करनी होगी। भारतीय रिजर्व बैंक का यह कदम मुख्य रूप से 5.2 प्रतिशत की अनुमानित महंगाई दर को नियंत्रित करने के लिए उठाया गया है। ऐसा करके बाजार में नकदी के प्रवाह को कम करके मांग को नियंत्रित किया जाएगा, जिससे बढ़ती कीमतों पर लगाम लगेगी। हालांकि, ऊंची ब्याज दरों से कंपनियों की विस्तार योजनाएं महंगी हो सकती हैं, जो आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार को थोड़ा धीमा कर सकती हैं। इसके बावजूद, रिजर्व बैंक को भरोसा है कि देश का आर्थिक इंजन मजबूत है इसीलिए उसने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7.1 प्रतिशत रखा है।

एयर इंडिया और सिंगापुर एयरलाइंस ने वाणिज्यिक सहयोग का किया विस्तार

नई दिल्ली। एयर इंडिया और सिंगापुर एयरलाइंस ने भारत तथा सिंगापुर के बीच हवाई सफर करने वाले यात्रियों को उड़ानों के अधिक विकल्प देने के मकसद से अपने वाणिज्यिक सहयोग के विस्तार की घोषणा की है। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने बुधवार को 'एक्स' पोस्ट में कहा कि भारत-सिंगापुर के बीच सफर करने वाले अपने ग्राहकों को ज्यादा सुविधा और लचीलापन देने के लिए हम सिंगापुर एयरलाइंस के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को बढ़ा रहे हैं। एयर इंडिया ने कहा, "इसमें सिंगापुर और भारत के आठ शहरों, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोच्चि, कोलकाता और मुंबई- के बीच हर हफ्ते 126 उड़ानें शामिल हैं।" फिलहाल, सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) के जरिये बुक की जाने वाली एयर इंडिया संचालित पात्र कोड शेयर उड़ान के साथ एसआईए द्वारा संचालित उड़ान को शामिल करना जरूरी है। इसके उलट एयर इंडिया के लिए भी यही नियम है। यह शर्त 15 अक्टूबर से हटा दी जाएगी।

कंपनी ने कहा कि यह विस्तार इस साल जनवरी में हुए वाणिज्यिक सहयोग रूपरेखा समझौते के तहत की गई पहल का हिस्सा है। इससे दोनों एयरलाइन 15 अक्टूबर से अपने-अपने बुकिंग मंच के जरिये यात्रियों को यात्रा कार्यक्रम और उड़ानों के अधिक विकल्प उपलब्ध कराएंगी। इस बेहतर सहयोग से ग्राहकों के लिए दोनों में से किसी भी एयरलाइन की योग्य उड़ानों को दूसरी एयरलाइन के बुकिंग चैनलों के जरिए बुक करना आसान हो जाएगा, जिससे यात्रा की योजना बनाना और भी आसान तथा सुविधाजनक हो जाएगा।

एयर इंडिया ने कहा कि आगे की बात करें तो महाराजा क्लब और क्रिसफ़्लायर के सदस्यों को 2027 की दूसरी तिमाही से बेहतर आपसी फायदे मिलेंगे, जिससे अक्सर यात्रा करने वालों के लिए इसकी अहमियत और बढ़ेगी। इससे बेहतर कनेक्टिविटी, ज्यादा विकल्प और ज्यादा फायदेमंद यात्राएं। उल्लेखनीय है कि विमानन कंपनी सिंगापुर एयरलाइंस के पास एयर इंडिया की 25.1 फीसदी हिस्सेदारी है।

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आरबीआई ने जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी किया

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बुधवार को फिच, मूडीज, एसएंडपी और विश्व बैंक के बाद अब चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 0.40 फीसदी बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अक्टूबर की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति की द्वमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक के निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद घरेलू आर्थिक गतिविधियों में मजबूती बनी हुई है। यह वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित 7.8 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर से स्पष्ट है। संजय मल्होत्रा ने कहा कि रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया है। पहले यह अनुमान 6.7 फीसदी था, जिसे अब बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया गया है। हालांकि, उन्होंने यह आगाह किया कि वैश्विक स्तर पर बने भू-राजनीतिक तनाव से आर्थिक परिदृश्य के लिए जोखिम कायम है।

आरबीआई गनर्वर ने बताया कि इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.1 फीसदी अनुमानित है। इसमें दूसरी तिमाही में 7.2 फीसदी, तीसरी तिमाही में 6.9 फीसदी और चौथी तिमाही में 6.8 फीसदी की वृद्धि शामिल है। संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2027-28 की पहली तिमाही के लिए भी जीडपी वृद्धि 7.1 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक ने भी भारत के सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि अनुमान को मौजूदा वित्त वर्ष के लिए 7.1 फीसदी तक बढ़ाया है। पिछले महीने एडीबी और वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को करीब 7 फीसदी तक बढ़ाया था। एसएंडपी और फिच जैसी अन्य वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भी ऐसा ही किया है।

गोयल ने अमेरिकी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आने का दिया न्योता

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी अमेरिका की यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में कई प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठकें की। गोयल ने इस बैठकों के दौरान उन्हें भारत में निवेश एवं कारोबार के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया है। अमेरिका के दौरे पर गए गोयल ने इस सप्ताह न्यूयॉर्क में अग्रणी अमेरिकी कंपनियों के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ भारत-अमेरिका व्यापार को सुदृढ़ करने के अवसरों पर चर्चा करने और शीर्ष अमेरिकी कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित करने के लिए कई बैठकें कीं।

गोयल ने ब्लैकस्टोन के अध्यक्ष एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) जोनाथन ग्रे और ब्लैकस्टोन के अंतरराष्ट्रीय निजी इक्विटी कारोबार के चेयरमैन प्रकाश मेलवानी से मुलाकात की। इस बैठक में भारत में

ब्लैकस्टोन के निवेश तथा विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी को और विस्तार देने पर चर्चा हुई।

गोयल ने न्यूबर्गर बर्मन के चेयरमैन और सीईओ जॉर्ज वॉकर और उनकी नेतृत्व टीम के वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात की। चर्चा में निवेश संबंधों को गहरा करने और वित्तीय एवं धन प्रबंधन सेवाओं में भागीदारी को सुदृढ़ करने के अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया। द एस्टी लॉडर कंपनीज के अध्यक्ष और सीईओ स्टीफन डी ला फेवेरी से मुलाकात में उन्होंने भारत में विकास के अवसरों पर चर्चा की, जिसमें विनिर्माण और सोर्सिंग में वृद्धि के माध्यम से विकास के अवसर और भारत के बढ़ते ब्यूटी एंड पर्सनल केयर मार्केट शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक आईबीएम के चेयरमैन और सीईओ अरविंद कृष्णा के साथ हुई उनकी मुलाकात में भारत में आईबीएम की भागीदारी को और सुदृढ़ करने तथा एआई, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, क्वांटम कंप्यूटिंग और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग का विस्तार करने पर चर्चा केंद्रित रही। मेटलाइफ के अध्यक्ष और सीईओ मिशेल ए. खलाफ के साथ बैठक में चर्चा का केंद्र भारत में कंपनी के विकास के अवसरों और बीमा एवं वित्तीय सेवा सेक्टर के विस्तार पर रहा।

गोयल ने जनरल अटलांटिक के चेयरमैन और सीईओ विलियम ई. फोर्ड से मुलाकात में भारत के साथ कंपनी के निवेश एवं व्यापारिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने के अवसरों पर चर्चा की।

उन्होंने एआईए ग्रुप के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष मार्क टकर से भी मुलाकात की। चर्चा का केंद्र बिंदु भारत में एआईए की भागीदारी और बीमा एवं वित्तीय सेवा सेक्टरों में विद्यमान अवसर थे। इनमें भारत के '2047 तक सभी के लिए बीमा' के विजन के संदर्भ में भी विचार-विमर्श शामिल था।